राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,11 जुन2020 वर्ष-3, अंक -165 पृष्ठ-04 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

शिवसेना की विपक्ष को नसीहत, एनकाउंटर पर न बहाएं आंसू

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा गया कि कुख्यात अपराधी विकास दुबे के एक मुठभेड़ में मारे जाने को लेकर आंसू बहाने की कोई जरूरत नहीं है और इसको लेकर आश्चर्य जताया कि पुलिस की कार्रवाई पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। कुख्यात अपराधी एवं कानपुर के बिकरू गांव में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले का मुख्य आरोपी विकास दुबे शुक्रवार सुबह कानपुर के भौती इलाके में कथित पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस के अनुसार उज्जैन से कानपुर लाते समय हुए सड़क हादसे में एक पुलिस वाहन के पलट जाने के बाद दुबे ने भागने का प्रयास किया। राउत ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''दुबे ने आठ पुलिसकर्मियों की हत्या की थी। वर्दी पर हमला करने का मतलब है कि कोई कानून और व्यवस्था नहीं है। राज्य पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई करना आवश्यक है, चाहे वह महाराष्ट्र हो या उत्तर प्रदेश। राज्यसभा सांसद ने कहा, ''एक मुठभेड़ में दुबे के मारे जाने पर आंसू बहाने की कोई जरूरत नहीं है। पुलिस कार्रवाई पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? मध्य प्रदेश पुलिस ने विकास दुबे को बृहस्पतिवार सुबह उज्जैन में महाकाल मंदिर के बाहर गिरफ्तार किया था और देर शाम उसे उत्तर प्रदेश पुलिस को सौंप दिया था। विपक्षी दलों ने हालांकि मुठभेड़ को लेकर उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार पर निशाना साधा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पुलिस मुठभेड़ के साथ ही उस हमले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की जिसमें गत सप्ताह आठ पुलिसकर्मी मारे गए थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, ''अपराधी का अंत हो गया, अपराध और उसको सरंक्षण देने वाले लोगों का क्या?

कई कैमरों की निगरानी में विकास दूबे का शुरू हुआ पोस्टमॉर्टम

लखनऊ। पिछले 7 दिनों से यूपी पुलिस की नाक में दम करने वाले मोस्टवांटेड विकास दुबे का आठवें दिन यानी कि शुक्रवार यूपी एसटीएफ ने खेल ही खत्म कर दिया। जिसके चलते विकास दूबे की डेड बॉडी पोस्टमार्टम के लिए भेज दी गई है। पोस्टमार्टम से पहले उसका कोरोना टेस्ट किया। जिसमें उसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। डॉक्टरों की एक टीम ने विकास दुबे के शरीर से सैंपल लिए थे। विकास दुबे का पोस्टमार्टम कई कैमरों की निगरानी में किया जा रहा है। वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों की एक टीम उसका पोस्टमार्टम कर रही है। पोस्टमार्टम से पहले शरीर में फंसी गोलियों का पता लगाने के लिए विकास दुबे के शव को एक्सरे के लिए भेजा गया था। बता दें कि गुरुवार की सुबह विकास को उज्जैन के महाकाल मंदिर में पकड़ा गया। जिसके बाद उसे यूपी लाया गया। वहीं शुक्रवार को एसटीएफ की टीम उसे रिमांड पर यूपी लेकर आ रही थी। तभी बीच रास्ते में एसटीएफ टीम की गाड़ी पलट गई है। ऐसे में विकास दुबे पुलिस के हथियार छीन कर भागने लगा था, लेकिन पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में विकास मारा गया। तभी बीच रास्ते में एसटीएफ टीम की गाड़ी पलट गई है। ऐसे में विकास दुबे पुलिस के हथियार छीन कर भागने लगा था, लेकिन पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में विकास मारा गया। खून से लथपथ विकास दुबे की डेड बॉडी को कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल में विकास दुबे के डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। मुठभेड़ में 4 पुलिसकर्मी भी घायल हुए है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट शुरू

सौर ऊर्जा श्योर, प्योर और सिक्योर है, रीवा के लोग शान से कहेंगे कि हमारी बिजली से दिल्ली की मेट्रो चल रही हैः मोदी

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के रीवा में बने अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा प्लांट देश को समर्पित किया। मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश साफ-सुथरी और सस्ती बिजली का हब बन जाएगा। इससे हमारे किसानों, मध्यम और गरीब परिवारों और आदिवासियों को फायदा होगा। हमारी संस्कृति में सूर्य का विशेष महत्व रहा है। उन्होंने एक संस्कृत के श्लोक से समझाया कि जो उपासना के योग्य सूर्य हैं, वे हमें पवित्र करें। सूर्य देव की इस ऊर्जा को आज पूरा देश महसूस कर रहा है। रीवा में ऐसा ही अहसास हो रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विभिन्न सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से मध्य प्रदेश भविष्य में 10,000 मेगावॉट बिजली का उत्पादन करेगा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम योगदान देगा। सोलर एनर्जी 21वीं सदी में ऊर्जा का एक बड़ा माध्यम बनने जा रही है। ये श्योर, प्योर और सिक्योर है। श्योर इसलिए कि जब सभी संसाधन खत्म हो जाएंगे, सूर्य हमेशा चमकता रहेगा। प्योर इसलिए, क्योंकि इससे पर्यावरण पूरी तरह से सुरक्षित और साफ-सुथरा बना रहेगा। सिक्योर इसलिए कि इससे बिजली की जरूरत को आसानी से पूरा किया जा सकेगा। जैसे-जैसे भारत विकास के नए शिखर की तरफ बढ़ रहा है, हमारी आशाएं-आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, हमारी ऊर्जा की, बिजली की जरूरतें भी बढ़ रही हैं। ऐसे में बिजली की आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। रीवा की पहचान सफेद बाघ से रही है। अब इसमें एशिया के सबसे बड़े सोलर पावर प्रोजेक्ट का नाम भी जुड़ गया है। रीवा का ये प्लांट इस पूरे क्षेत्र को ऊर्जा का बहुत बड़ा केंद्र बनाने में मदद करेगा। इस सोलर प्लांट से मध्य प्रदेश के लोगों को, यहां के उद्योगों को तो बिजली मिलेगी ही, दिल्ली में मेट्रो रेल तक को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा रीवा की ही तरह शाजापुर, नीमच और छतरपुर में भी बड़े सोलर पावर प्लांट पर काम चल रहा है। हम सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में पहुंच गए हैं। इसमें भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। जब हम आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, तब इकोनॉमी उसका एक सबसे जरूरी भाग है। दुनियाभर के वैज्ञानिक इस बात को लेकर पसोपेश में रहे हैं कि उद्योग बढ़ाएं कि पर्यावरण को। भारत ने ये दिखाया है कि इकोनॉमी और पर्यावरण एक-दूसरे के पर्याय हो सकते हैं। बिजली आधारित परिवर्तन के लिए नए रिसर्च होने लगी हैं। ऐसे अनेक प्रयास हैं, जो इंसान के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे हैं। एलईडी बल्ब से बिजली का बिल कम हुआ है। इसका एक और महत्वपूर्ण पहलू है। एलईडी बल्ब से करीब साढ़े 4 करोड़ टन कम कार्बन डाई ऑक्साइड पर्यावरण में जाने से रुक रही है यानी प्रदूषण कम हो रहा है। हमारा वातावरण, हमारी हवा, हमारा पानी भी शुद्ध बना रहे, इसी सोच के साथ हम निरंतर काम कर रहे हैं। यही सोच सौर ऊर्जा को लेकर हमारी नीति और रणनीति में भी स्पष्ट झलकती है। सोलर प्लांट ऐसी जमीन पर लगेगा, जो उपजाऊ नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि मध्य प्रदेश के किसान साथी भी अतिरिक्त आय के इस साधन को अपनाने और भारत को पावर एक्सपोर्टर बनाने के इस व्यापक अभियान को जरूर सफल बनाएंगे। सोलर पावर की ताकत को हम तब तक पूरी तरह से

उपयोग नहीं कर पाएंगे, जब तक हमारे पास देश में ही बेहतर सोलर पैनल, बेहतर बैटरी, उत्तम क्वालिटी की स्टोरेज कैपेसिटी न हो। अब इसी दिशा में तेज़ी से काम चल रहा है। दुनिया की और मानवता की अपेक्षा को देखते हुए हम पूरे विश्व को जोड़ने में जुटे हुए हैं। इसी सोच का परिणाम आइसा यानी इंटरनेशनल सोलर अलायंस है।

राजनाथ सिंह ने की अमेरिकी रक्षा मंत्री को किया फोन, भारत-चीन सीमा विवाद पर हुई बात

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्क टी एस्पर के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और इस दौरान पूर्वी लद्दाख में भारत तथा चीन के बीच सीमा विवाद एवं क्षेत्र में समूचे सुरक्षा परिदृश्य पर प्रमुखता से चर्चा हुई। घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने कहा कि सिंह तथा एस्पर ने द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि टेलीफोन पर यह वार्ता अमेरिकी पक्ष के आग्रह पर हुई। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, ''दोनों मंत्री नियमित तौर पर एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं। उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और पारस्परिक हित के मुद्दों पर कई बार बात की है। आज की वार्ता इसी जारी आदान-प्रदान का हिस्सा थी। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में कई जगहों पर करीब आठ सप्ताह से गतिरोध चला आ रहा था। गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय जवानों की शहादत के बाद तनाव कई गुना बढ़ गया था। इस झड़प में चीनी सेना को भी नुकसान हुआ जिसका उसने अब तक ब्योरा नहीं दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सैनिकों के साथ झड़प में 35 चीनी सैनिक हताहत हुए। पिछले पांच दिनों में चीनी सेना ने भारतीय सेना के साथ बनी समझ के अनुरूप गतिरोध के तीन स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। पिछले पांच दिनों में चीनी सेना ने भारतीय सेना पिछले पांच दिनों में चीनी सेना ने भारतीय सेना पिछले पांच दिनों में चीनी सेना ने भारतीय सेना के साथ बनी समझ के अनुरूप गतिरोध के तीन स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। दोनों पक्षों ने पिछले दिनों में क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर कई दौर की बात की है।

केजरीवाल के मंत्री बोले-सर्दियों में दिल्ली को न झेलना पड़े प्रदूषण, पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर करेंगे काम

नेशनल डेस्क।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार पड़ोसी राज्यों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि सर्दियों के समय पराली जलाए जाने के चलते हवा की गुणवत्ता खराब होने की समस्या से निपटने के लिए पहले से तैयारी की जा सके। मंत्री ने यह टिप्पणी आईटीओ नर्सरी से 17 दिवसीय पौधारोपण अभियान शुरू करने के दौरान की। अभियान 'पौधे लगाओ, पर्यावरण बचाओ के तहत 31 लाख पौधे लगाए जाएंगे जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में हरित क्षेत्र बढ़ाना और प्रदूषण कम करना है। इस वृक्षारोपण अभियान से शहर का हरित क्षेत्र वर्तमान के 325 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 350 वर्ग किलोमीटर होने की उम्मीद है, इससे वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इस अवधि को वृक्षारोपण पखवाड़े के रूप में मनाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि हम पड़ोसी राज्यों और सभी पर्यावरण-संबंधी समितियों के साथ मिलकर काम करेंगे, ताकि सर्दियों के महीनों में पराली जलने से होने वाले वायु प्रदूषण के मुद्दे से निपटने की तैयारी कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार ने बड़े पेड़ों के 20 लाख पौधे और छोटे पेड़ों और झाड़ियों के 11 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि केंद्र ने दिल्ली में 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। हम उससे दोगुने से अधिक पौधे लगाएंगे। दिल्ली सरकार के विभिन्न विभाग लगभग 18,000 पौधे लगाएंगे। दिल्ली विकास प्राधिकरण लगभग नौ लाख पौधे लगाएगा और सभी एमसीडी और एनडीएमसी लगभग 2.5 लाख पौधे लगाएंगे। 2019 में दिल्ली में 24.18 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य के मुकाबले 29.37 लाख पौधे लगाए गए थे। मंत्री ने कहा कि दिल्ली वन विभाग की शहर भर में 14 नर्सरी हैं, जहां से मुफ्त में पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

यूपी में 1347 नए कोरोना मामले, अब तक 889 ने तोड़ा दम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 संक्रमित 27 और लोगों की मौत हो गई और संक्रमण के 1347 नए मामले सामने आये। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 संक्रमित 27 और लोगों की मौत के साथ इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 889 हो गई है। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण के 1347 नए मामले सामने आए हैं। प्रदेश में इस बीमारी से इलाज करा रहे लोगों की कुल संख्या 11024 है। इसके अलावा अब तक 21,787 मरीज पूरी तरह ठीक हो कर घर जा चुके हैं। प्रसाद ने बताया कि इस समय आइसोलेशन वार्ड में 11027 लोगों को रखा गया है। इसके अलावा फैसिलिटी क्वॉरेंटाइन में इस वक्त 4011 लोग रखे गए हैं, जिनके सैम्पल लेकर उनकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बृहस्पतिवार को 38006 नमूनों की जांच की गई।

कानपुर से 17 किमी दूर भौती में हुआ एनकाउंटर, विकास को चार गोलियां लगीं, एसटीएफ के 4 जवान भी घायल

कानपुर। बिकरू हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर विकास दुबे की शुक्रवार सुबह कानपुर एसटीएफ के साथ एनकाउंटर में मौत हो गई। एनकाउंटर कानपुर से महज 17 किलोमीटर दूर भौती नाम की जगह पर हुआ। कानपुर में यह एनकाउंटर सुबह 6.15 और 6.30 के बीच हुआ। 2 और 3 जुलाई की रात बिकरू गांव में विकास और उसके गैंग ने पुलिस पर हमला किया था। इसमें 8 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई।

बारिश की वजह से पलटी गाड़ी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गाड़ी में ड्राइवर के अलावा तीन एसटीएफ के जवान थे। घटना के वक्त कानपुर में भौती इलाके में बारिश हो रही थी। बारिश हल्की थी। लिहाजा, संकरी सड़क पर कीचड़ की वजह से तेज रफ्तार गाड़ी पलटी। विकास पिछली सीट पर बीच में बैठा था। उसके दोनों तरफ एसटीएफ के जवान थे। गाड़ी पलटी तो विकास ने भागने की कोशिश की। एक पुलिसकर्मी की 9 एमएम की पिस्टल लेकर भागा। पलटकर गोली चलाई। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में तीन गोलियां उसके सीने में जबकि एक बांह पर लगी। चार पुलिसकर्मी भी घायल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसटीएफ के 4 जवान भी इस घटना में घायल हुए हैं। इनमें से दो गाड़ी पलटने से जबकि दो अन्य विकास की तरफ से की गई फायरिंग में जख्मी हुए हैं। बताया जाता है कि विकास दुबे हैलट हॉस्पिटल पहुंचने के पहले जिंदा था। हालांकि, उसकी हालत बेहद गंभीर थी। कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। घटना के वक्त विकास वही जो वह गुरुवार को उज्जैन में गिरफ्तारी के वक्त पहने नजर आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विकास को एनकाउंटर के बाद सीधे एक गाड़ी से अस्पताल ले जाया गया।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 12वीं ओपन और दूसरी लंबित परीक्षाएं रद्द की, बेहतरीन प्रदर्शन वाले विषयों के आधार पर होगा परिणाम घोषित

जालंधर।

पंजाब सरकार ने शुक्रवार को विभिन्न कक्षाओं की लंबित परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला किया है। अब परीक्षा परिणाम बेहतरीन प्रदर्शन वाले विषयों के हिसाब से घोषित किया जाएगा। इस बात की पुष्टि खुद शिक्षा मंत्री विजय इंद्र सिंगला ने की है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण कठिन समय के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, पंजाब में सूबे की सरकार ने कोरोना महामारी के चलते देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा से भी दो दिन पहले कर्फ्यू लगा दिया था। 23 मार्च तक प्रदेश में आठवीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं चल रही थी। पांचवीं कक्षा की परीक्षाएं भी शुरू होने ही वाली थी, लेकिन इसके बाद यह शेड्यूल टलता ही चला गया। बेहतरीन प्रदर्शन वाले विषयों के आधार पर परिणाम घोषित कर दिया गया है। वहीं, कुछ दिन पहले पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 12वीं की ओपन की परीक्षाएं 15 जुलाई के बाद आयोजित किए जाने की घोषणा की थी। अब इन परीक्षाओं को भी रद्द कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री विजय इंदर सिंगला ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण कठिन समय के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग के लिए निकट भविष्य में कोरोना वायरस से उत्पन्न चुनौतियों के कारण परीक्षाएं कराना संभव नहीं होगा। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के मार्गदर्शन में अब परिणाम सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले विषयों के आधार पर घोषित किया जाएगा क्योंकि पीएसईबी द्वारा कुछ विषयों की परीक्षाएं कोरोना वायरस के फैलने से पहले ही ले ली गई हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में अपने इच्छित पाठ्यक्रमों को समय पर चुनने में सक्षम बनाने के लिए परिणाम घोषित करना भी समय की जरूरत थी। उदाहरण के लिए अगर कोई भी विद्यार्थी केवल 3 विषयों में परीक्षाओं में उपस्थित हुआ है तो सर्वश्रेष्ठ दो प्रदर्शन करने वाले विषयों में प्राप्त किए गए अंकों का औसत उन विषयों में दिया जाएगा, जिनकी परीक्षा आयोजित नहीं की गई है।

अंकों का औसत उन विषयों में दिया जाएगा, जिनकी परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। सिंगला ने कहा कि ओपन स्कूल के विद्यार्थियों के मामले में बोर्ड क्रेडिट कैरी फॉर्मूले के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

दिल्ली हिंसाः निलंबित आप पार्षद ताहिर हुसैन के दो कर्मचारी अहम गवाह बने

नई दिल्ली।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में साम्प्रदायिक हिंसा के मामले में दो अहम गवाह आप के निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन के यहां काम करते थे और उन्होंने 24 फरवरी को दंगे शुरू होने से पहले हुसैन को कई लोगों से ''बेहद गोपनीय तरीके से बात करते हुए देखा था। दिल्ली पुलिस ने यहां एक अदालत में दाखिल किए आरोपपत्र में यह बात कही है। गिरीश पाल और राहुल कसाना ने पुलिस को दिए अपने बयानों में कहा कि 24 फरवरी को वे खजूरी खास इलाके में हुसैन के कार्यालय में मौजूद थे। आरोपपत्र में कहा गया है, ''दोपहर को उन्होंने ताहिर हुसैन के मकान के निचले तले पर कई लोगों को एकत्रित होते देखा और वह बेहद गोपनीय तरीके से उनसे बात कर रहे थे और आरोपी शाह आलम, इरशाद आबिद, अरशद प्रधान, राशिद तथा शादाब अज्ञात लोगों के साथ वहां मौजूद थे। इसमें कहा गया है कि पुलिस ने इन दोनों को मुख्य गवाह बनाया है। ये दोनों बाहर भीड़ की आवाज सुनकर और कार्यालय में तनाव को भांपते हुए वहां से चले गए थे। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पिछले महीने हुसैन और 14 अन्य के खिलाफ मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट पवन सिंह राजावत के समक्ष आरोप पत्र दाखिल किया था। अदालत अगस्त में आरोपपत्र पर सुनवाई करेगी। आरोपपत्र के अनुसार अभियोजन पक्ष के अन्य गवाह राजबीर सिंह यादव ने अपने बयान में कहा कि भीड़ ने उनके दोस्त की बेटी की शादी के लिए तैयार खाने को बर्बाद कर दिया और आरोपी रियाकत अली ने उनसे 62,000 रुपये लूट लिए थे। यादव हुसैन के घर के पास एक पार्किंग स्थल में शादी के लिए खाने की तैयारियों को देख रहा था। इसमें कहा गया है कि आरोपी शाह आलम कई अन्य लोगों समेत अली के साथ मौजूद था और दंगों में शामिल भीड़ में हुसैन भी शामिल था।

नहीं थम रही बेजुबानों के साथ बर्बरता के मामले, न्यायालय ने 13 राज्यों से मांगा जवाब

नेशनल डेस्क। उच्चतम न्यायालय ने जंगली पशुओं को भगाने के लिये प्रचलित बर्बर तरीकों को गैरकानूनी और असंवैधानिक बताते हुये इन पर रोक के लिये दायर याचिका पर शुक्रवार को केन्द्र और 13 राज्यों को नोटिस जारी किये। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से इस मामले की सुनवाई के दौरान केन्द्र और केरल सहित 13 राज्यों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। यह याचिका अधिवक्ता सुभम अवस्थी ने दायर की है। इसमें केरल में एक हाथी के साथ हुयी घटना का जिक्र करते हुये ऐसे मामलों से निबटने के लिये दिशा निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में देश भर में वन रक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में वन्यजीवों को भगाने के लिये फंदा डालने, जाल बिछाने और विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे बर्बर तरीकों को गैरकानूनी, असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करने वाला घोषित करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में केरल में 27 मई को एक गर्भवती हथिनी की दर्दनाक मृत्यु की घटना का जिक्र किया गया है। इस हादसे में जान गंवाने वाली हथिनी को कुछ स्थानीय लोगों ने कथित रूप से पटाखों से भरा अनानास खिला दिया था। अनानास में भरे पटाखों के विस्फोट से हथिनी बुरी तरह जख्मी हो गयी थी। विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे बर्बर तरीकों को गैरकानूनी, असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करने वाला घोषित करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में केरल में 27 मई को एक गर्भवती हथिनी की दर्दनाक मृत्यु की घटना का जिक्र किया गया है। इस हादसे में जान गंवाने वाली हथिनी को कुछ स्थानीय लोगों ने कथित रूप से पटाखों से भरा अनानास खिला दिया था। अनानास में भरे पटाखों के विस्फोट से हथिनी बुरी तरह जख्मी हो गयी थी। याचिका में केरल के साथ ही आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मेघालय, नगालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल को पक्षकार बनाया गया है। याचिका के अनुसार, दुनिया के अनेक देशों ने वन्यजीवों को भगाने के लिये इस तरह के तरीके अपनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है या इनके इस्तेमाल को बहुत ही सीमित कर दिया है। लेकिन भारत में कानून के माध्यम से सुधार के प्रावधानों के बावजूद, नागरिकों और वन्यजीवों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

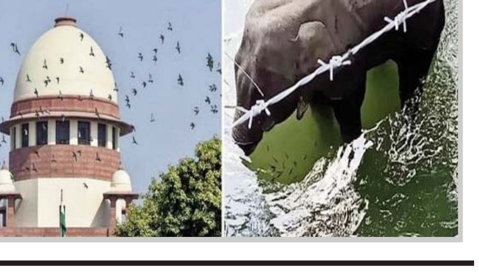

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जाधव के लिए अभियान

कुलभूषण जाधव के मामले में पाकिस्तान की चालाकी न सिर्फ इंसाफ, बल्कि इंसानियत की भी तौहीन है। भारत को परेशान करने का कोई भी मौका वह जाने देना नहीं चाहता और जब सामान्य रूप से उसे मौका नहीं मिलता, तब वह जबरन मौके गढ़ लेता है। जाधव का पूरा मामला पाकिस्तान की इसी गलत प्रवृत्ति का नतीजा है। पाकिस्तान ने अब भारत और दुनिया को यह सूचित किया है कि जाधव कोई पुनर्विचार याचिका नहीं लगाना चाहते, वह सिर्फ दया याचिका पर तवज्जो चाहते हैं। पाकिस्तान का यह व्यवहार न्यायप्रियता के सरासर खिलाफ है। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) ने जुलाई 2019 में यह फैसला सुनाया था कि जाधव पर फिर से मुकदमा चलाया जाए। वह भारत के लिए बड़ी जीत थी, लेकिन पाकिस्तान भारत की उस जीत पर पानी फेरने की कोशिश में अभी भी लगा है। पाकिस्तान के साथ समस्या यह है कि यदि वह अदालत में सही ढंग से मुकदमा चलने दे, तो जाधव को बरी कराने में भारत को ज्यादा परेशानी नहीं होगी। जैसे सुबूतों के आधार पर जाधव को जासूसी और आतंकवाद के इल्जाम में कैद किया गया है, वे किसी भी न्यायप्रिय अदालत में टिक नहीं पाएंगे। पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने अपने स्तर पर एकतरफा फैसला करते हुए जाधव को मृत्युदंड की सजा सुना रखी है और उसने इस फैसले को अपने कथित सम्मान से जोड़ लिया है। जाधव को सजा होती है, तो यह इंसानियत पर किसी धब्बे से कम नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में पाकिस्तान ने पूरा जोर लगाया था, पर जो सुबूत वहां नहीं टिक सके, वे पाकिस्तानी अदालत में भी नहीं टिकेंगे। चूंकि भारत जाधव को बचाने के लिए अच्छे से अच्छा वकील कर सकता है, इसलिए पाकिस्तान मामले को अदालत में पहुंचने ही नहीं दे रहा। यह मानने में कोई हर्ज नहीं कि जाधव पर दबाव डालकर पाकिस्तान ने मनमाफिक आवेदन कराया है। क्या पाकिस्तानी जेल में बंद जाधव सही न्यायपूर्ण सुनवाई के पक्ष में नहीं होंगे? क्या उन्हें नहीं पता होगा कि भारत ने अपने किन प्रयासों से उनके प्राण की रक्षा की है? कोई भी अपनी जान क्यों जोखिम में डालना चाहेगा? यह दुनिया को पता चल चुका है कि जाधव के खिलाफ गलत ढंग से मुकदमा चलाया गया था। पाकिस्तान की सैन्य अदालत और सरकार, दोनों की जगहंसाई हुई थी। ऐसे में, पाकिस्तान सरकार को स्वयं आगे बढ़कर सुधार करना था, पर उसने भलमनसाहत का एक मौका हाथ से फिर जाने दिया। पाकिस्तान का यह बहाना सही नहीं है कि उसने भारतीय उच्चायोग को कई पत्र लिखकर अपील दाखिल करने को कहा था। सच्चाई यह है कि भारतीय पक्ष या जाधव को मामले में कोर्ट का आदेश, एफआईआर की प्रति या कोई अन्य सुबूत मुहैया नहीं कराए गए। बिना सुबूतों के याचिका कैसे दायर होती है, सुनवाई और सजा कैसे होती है, इसमें पाकिस्तान माहिर है, पर दुनिया सब देख रही है। भारत को नए सिरे से प्रयास करने पड़ेंगे। यदि आईसीजे में फिर जाना पड़े, तो पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए, ताकि पाकिस्तान की न्याय व्यवस्था की पोल अच्छी तरह खुल जाए। जाधव की सुरक्षित और न्यायपूर्ण रिहाई का अभियान तेज होना चाहिए। इंसाफ की ओर बढ़ने वाला हमारा एक-एक कदम पाकिस्तान की बेईमानी या दुश्मनी को जर्रा-जर्रा बेनकाब करेगा।

आज के ट्वीट

समय

अब उत्तर प्रदेश के सभी गुंडे बदमाश हत्यारे लुटेरे और माफियाओं की गाड़ी पलटने का समय शुरू हो गया है । 6 महीने के अंदर उत्तर प्रदेश के सभी अपराधियों की होगी छुट्टी लिस्ट जारी । उत्तर प्रदेश बनेगा अपराध मुक्त प्रदेश ।-- अर्णव गोस्वामी

अपराधमुक्त बनाने की बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

कानपुर में आतंक एवं अपराध का पर्याय बन गए एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश में अपने आठ साथियों को खोने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने जैसी कठोर कार्रवाई एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को अपराध मुक्त राज्य बनाने के लिये जिस दृढ़ता एवं संकल्प के साथ अपना मिशन शुरू किया है, उसकी टंकार सुनाई भी देनी चाहिए और दिखाई भी देनी चाहिए। ताकि भविष्य में कोई भी गुंडा-बदमाश-अपराधी उस तरह का दुस्साहस न दिखा सके जैसा विकास दुबे नाम के माफिया सरगना ने दिखाया और पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस घटना ने अपराध-मुक्ति की ओर बढ़ते राज्य के संकल्प पर अनेक प्रश्नचिन्ह लगाये हैं। विचारणयी प्रश्न है कि आखिर अपराध एवं अपराधी सरगना से लड़ने के लिये ईमानदार प्रयत्नों में कहां चूक हुई? अपराध-मुक्त संरचना की मंजिल तक पहुंचने के लिये संकल्पपूर्वक कितने कदम उठाए? आखिर अपराध एवं हिंसक वारदातों का अंत कब और कहां होगा? एक बड़ा सच है कि विकास दुबे जैसे अपराधी समूची व्यवस्था की उपज होते हैं जिसमें शासन-प्रशासन और राजनीति के साथ समाज भी शामिल है। विकास दुबे के बारे में ऐसे तथ्य सामने आने पर हैरानी नहीं कि उसे राजनीतिक संरक्षण मिला और उसके खिलाफ कानून अपना काम सही एवं सटीक तरीके से नहीं कर सका बल्कि यह कानून के शासन और समाज पर एक बड़ा सवाल है कि आखिर जो अपराधी थाने में घुसकर हत्या कर चुका हो वह चुनाव लड़ने और जीतने में समर्थ कैसे रहा? यह भी आम जनता की सोच एवं व्यवस्था की खामी का बेहद शर्मनाक प्रमाण है कि वह जेल में रहते हुए भी अपने गिरोह को चलाने और आपराधिक गतिविधियां अंजाम देने में सक्षम रहा। अपने आतंक के सहारे सक्रिय यह माफिया सरगना किस आसानी से व्यवस्था में छिद्र करने में सफल था, इसका पता इससे चलता है कि उसके लिए काम करने वालों में कई पुलिसकर्मियों के भी नाम सामने आ रहे हैं। इससे पुलिस की छवि एक बार फिर धुंधलाई है। न केवल पुलिस बल्कि राजनीति एवं प्रशासन में भी उसके प्रभावी संबंध अपराध की संरचनाएं करने में सहयोगी बने हैं। इस तरह हमारी राजनीति, प्रशासन एवं सुरक्षा एजेन्सियों की चारित्रिक दुर्बलताएं अनर्थकारी बनती रही हैं। यह आज के समय की विडम्बना ही है कि आज जिनके पास खोने के लिए कुछ नहीं वे अधिक ताकतवर (तथाकथित) हैं। जिनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है, (मान, प्रतिष्ठा, छवि, सिद्धांत, पद, सम्पत्ति, सज्जनता) वे लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। तथाकथित अपराधी लोग राजनीति में हैं, सत्ता में हैं, सम्प्रदायों में हैं, पत्रकारिता में हैं, लोकसभा में हैं, विधानसभाओं में है, शासन-प्रशासन एवं सुरक्षा एजेन्सियों में हैं, समाज की गलियों और मौहल्लों में तो भरे पड़े हैं। आये दिन ऐसे लोग अराजकता, हिंसा एवं आतंक फैलाते हैं, विषवमन करते हैं, प्रहार करते रहते हैं, चरित्र-हनन् करते रहते हैं, डराते हैं, सद्भावना और शांति को भंग करते रहते हैं। उन्हें राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और शांतिपूर्ण समाज-व्यवस्था से कोई वास्ता नहीं होता। जो अपने कुकृत्यों से घायल करते हैं, घाव देते हैं, अराजकता फैलाते हैं। किसी भी टूट, गिरावट, दंगों व युद्धों तक की शुरूआत ऐसी ही बातों से होती है। आज हर हाथ में पत्थर है। समाज में नायक कम खलनायक ज्यादा हैं। प्रसिद्ध शायर नज्मी ने कहा है कि अपनी खिड़कियों के कांच न बदलो नज्मी, अभी लोगों ने अपने हाथ से पत्थर नहीं फेंके हैं। डर पत्थर से नहीं डर उस हाथ से है, जिसने पत्थर पकड़ रखा है। बंदूक अगर किसी योगी एवं मोदी के हाथ में है तो डर नहीं। वही बंदूक अगर विकास दुबे के हाथ में है तो डर है। समाज एवं राष्ट्र विकास दुबे जैसे अपराधियों से ही डरा हुआ नहीं है बल्कि डर तो उन जैसे अपराधियों का समर्थन करने वालों से भी लग रहा है। हम देख रहे हैं कि सोशल मीडिया पर अपराधी विकास दुबे को हीरो बनाने की मुहिम किस तेजी से शुरू है। विकास दुबे के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डाले जा रहे हैं। कुछ लोगों ने अशोभनीय और आपत्तिजनक पोस्ट किए हैं। विकास दुबे को मुखबिरी के संदेह में एक पुलिसकर्मी को निलम्बित किया गया है। न जाने पुलिस विभाग में कितने ऐसे मुखबिर होंगे जिनके तार अपराधियों से जुड़े होंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को पुलिस तंत्र में व्याप्त इस तरह की अराजकता एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिक कठोर होते हुए पुलिस के भीतर बैठी काली भेड़ों को निकाल बाहर करना होगा। राजनीतिक दलों में पैठ रखने वाले अपराधियों पर काबू पाना बड़ी चुनौती है, जिसकी वजह से स्थानीय अपराधी लगातार अपराधों को अंजाम देते रहते हैं। राजनीति की इन दूषित हवाओं ने भारत की चेतना को प्रदूषित किया है। बात केवल उत्तर प्रदेश की नहीं है, बल्कि देश के किसी भी हिस्से में कहीं कुछ राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं मूल्यों के विरुद्ध होता है तो हमें यह सोचकर निरपेक्ष नहीं रहना चाहिए कि हमें क्या? गलत देखकर चुप रह जाना भी अपराध है। इसलिये बुराइयों से पलायन नहीं, परिष्कार करना सीखें। ऐसा कहकर हम अपने दायित्व एवं कर्तव्य को विराम न दें कि राजनीति, सत्ता एवं व्यवस्था में तो यूं ही चलता है। चिंगारी को छोटी समझकर दावानल की संभावना को नकार देने वाली व्यवस्थाएं कभी अनहोनी को नहीं टाल सकतीं, सुरक्षा का आश्वासन नहीं बन सकतीं। अब देश में अपराध एवं आपराधिक राजनीति को समाप्त करने की सकारात्मक स्थितियां बन रही हैं, तब इस घटना पर हो रही राजनीति को भी गंभीरता से लेना चाहिए। क्योंकि आज भी राजनीति ऐसी ही आपराधिक गतिविधियों में ऊर्जा पाती है, हमारे बीच करोड़ों ऐसे दिमाग और करोड़ों ऐसे हाथ हैं जो इन अपराधियों का संरक्षण करते हैं। ऐसे ही राजनीतिक दल एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं, गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि विकास दुबे कोई रातोंरात उभरा माफिया है, जो किसी पर्दे में छिपा हुआ था। पिछले कई वर्षों से अपने अपराधों और लगभग हर राजनीतिक दल में अपनी पहुंच के बूते पर उसने अपने आपराधिक साम्राज्य को कायम किया था। हैरानी की बात तो यह है कि एक अपराधी इतने मामलों में संलिप्त होने के बावजूद जेल की जगह बाहर कैसे घूम रहा था? इससे साफ है कि उसे न केवल राजनीतिक बल्कि पुलिस के भीतर से ही संरक्षण मिला हुआ था। यह पूरा मामला राजनीति के अपराधीकरण का है। राजनीति से जुड़े अपराधियों को अफसरों का संरक्षण प्राप्त होता है। हमारे देश में एक धारणा बड़ी प्रबल है कि कानून केवल कमजोर लोगों के लिए है, बड़े लोगों के लिए कानून अलग होता है। इस दुर्दांत अपराधी और उसे सहयोग-संरक्षण देने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन इसी के साथ जरूरी सबक भी सीखे जाने चाहिए। सबसे बड़ा सबक तो पुलिस को ही सीखना होगा। आखिर यह कैसे हो गया कि एक कुख्यात अपराधी के घर दबिश देने गई पुलिस ने जरूरी सावधानी का परिचय नहीं दिया? जरूरी साधन-सुविधा एवं सर्तकता के बिना इतनी बड़ी कार्रवाई की गयी। एक बड़ा सवाल यह भी है कि वह आधुनिक हथियारों से लैस क्यों नहीं थी? पुलिस हमारा सुरक्षा बल ही नहीं, देश की संपदा है। उसका इस तरह एक अपराधी से परास्त हो जाना पूरे देश के विश्वास एवं सुरक्षा को धुंधलाता है। योगी आदित्यनाथ के सामने एक बड़ी चुनौती है, भले ही उन्होंने तीन साल के शासन में उत्तर प्रदेश को अपराधमुक्त राज्य बनाने की दृष्टि से अनेक सफल एवं सार्थक उपक्रम किये हैं, उन्होंने अब तक 113 से ज्यादा गुंडों को मुठभेड़ में मारा गया लेकिन एक बड़ा प्रश्न है कि इस सूची में विकास दुबे कैसे बचा रहा?

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

ज्ञान गंगा

वास्तविक जीवन

जग्गी वासुदेव

नींद एक और चमत्कार है। जब आप गहरी नींद में होते हैं तो आप कौन हैं, यह बात गायब हो जाती है। जब आप सोते हैं तो वास्तव में क्या होता है? ज्यादातर लोग गहरी नींद का अनुभव नहीं लेते। आपके दिमाग में लाखों बातें चलती रहती हैं, जो नींद के दौरान सपनों या बड़बड़ाने के रूप में बाहर निकलती हैं। आप जब खाना खा रहे होते हैं, तब घर के बारे में सोच रहे होते हैं, जब अपने घर पर होते हैं तो अपने काम के बारे में सोच रहे होते हैं, काम के वक्त यात्रा के बारे में सोचते हैं, जब यात्रा में होते हैं तब सोचते हैं कि सोएंगे कब? और जब सोने जाते हैं तो कुछ और सोच रहे होते हैं। आपका सारा जीवन बस ऐसे ही चलता है। आपको अपना जीवन पूरी तरह से समझना है तो आप जो कुछ भी कर रहे हों उसे 100% भागीदारी के साथ करिए, उसमें पूरी तरह शामिल होइए और अपने आपको उसके लिए पूरी तरह समर्पित कर दीजिए। चूंकि आप हमेशा ही अपनी विचार प्रकिया के साथ उलझे रहते हैं, केवल आपके विचार और भावनाएं ही आपके लिए जीवन बन गए हैं। गुस्सा, आनंद या संतोष ये सभी भावनाएं तो आपका अपना मन बनाता है। अपने अस्तित्व की असली संवेदनाओं के बारे में तो आप बिल्कुल ही उदासीन हो गए हैं। आप जीवन के साथ सिर्फ तब होते हैं, जब आप जो कुछ भी कर रहे हों, उसमें पूरी तरह से शामिल हों। जब आप खाते हैं, तब ब्रह्मांड आप का हिस्सा बन जाता है। जब आप सोते हैं, तब आप ब्रह्मांड का हिस्सा बन जाते हैं। आप ये 100% भागीदारी के साथ करें तो अनुभव के ऊंचे स्तरों की ओर ले जाने वाले दरवाजे आप के लिए खुल जाएंगे। सिर्फ वर्तमान क्षण ही जीवन में वास्तविक है, उसके पहले और बाद के क्षण हमारे अनुभव में नहीं हैं- वे काल्पनिक हैं। आप देखिए कि आप जो भी कर रहे हैं, उसे 100% भागीदारी के साथ कैसे करें? आप अगर सृष्टि या सृष्टिकर्ता का पूरा अनुभव करना चाहते हैं, तो वह केवल इसी क्षण में संभव है। पर आप अधिकतर किसी और ही मायाजाल में उलझे रहते हैं। जब लोग कहते हैं कि सारा ब्रह्मांड ही 'माया' या 'भ्रम' है, तो वे वह कह रहे होते हैं, जो वे देख रहे होते हैं। आप का मन अस्तित्व को उस तरह से नहीं देखता जैसा वो है। यह उसे किसी ना किसी तरह से बिगाड़ कर भ्रम पैदा करके देखता है।

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

कूटनीतिक सम्मोहन की गिरफ्त में नेपाली नेतृत्व

अरुण नैथानी

भारतीय कूटनीति के इतिहास में अनेक ऐसी सर्वगुण संपन्न स्त्रियों का जिक्र है, जिन्हें राजा-महाराजा शत्रु देशों के भेद जानने और अपने शत्रुओं पर विजय के लिये उपयोग करते थे। सोलह कलाओं में निपुण ये स्त्रियां अपने रूप-लावण्य और कुशाग्र बुद्धि से अपने लक्ष्यों को भेदती थीं। कालांतर इसी श्रृंखला में विष कन्याओं का भी उपयोग प्रतिद्वन्द्वी राजाओं व उत्तराधिकारियों को ठिकाने लगाने के लिये किया जाता रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध में भी ऐसे कई उदाहरण सामने आते हैं। हाल के दिनों में पड़ोसी देश नेपाल में चीनी राजदूत होऊ यांगी की बढ़ती दखल ने उन पुराने प्रसंगों को याद दिला दी। उसके कार्यकाल में भारत नेपाल से जितना दूर हुआ है, उसकी दूसरी मिसाल नहीं मिलती। चीन में कई कूटनीतिक जिम्मेदारियां निभाने के बाद चीनी नागरिक होऊ यांगी को पाकिस्तान का राजदूत बनाकर भेजा गया था। वे दक्षिण एशिया के मामलों की खासी जानकार मानी जाती हैं। यांगी की कूटनीतिक कुशाग्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एकदम अलग संस्कृति वाले देश पाकिस्तान में वह पूरी तरह घुल-मिल गई। उसने पाक में रहते हुए उर्दू सीखी और कूटनीतिक आयोजनों पर पाक नेताओं के साथ धाराप्रभाव उर्दू में बात करती रही। पाक में रहते हुए उसने उन कई पाकिस्तानी नीतियों पर काम किया, जिनका संबंध भारत से था। यही वजह है कि जटिल परिस्थितियों वाले देश में वह तीन साल निर्बाध रूप से काम करती रही। जब चीन को लगा कि भारत-नेपाल के रिश्तों में खटास आ रही है तो उसे पाक से हटाकर नेपाल भेज दिया गया।

होऊ यांगी को वर्ष 2018 में नेपाल का राजदूत बनाकर भेजा गया। कूटनीति के समझ रखने वाले जानते हैं कि यांगी के बेहद करीबी के.पी. शर्मा ओली ने जब 2018 में चुनाव लड़ा तो भारत विरोधी तेवर तभी से सुनाई देने लगे थे। उन्होंने भारत पर खुलेआम नेपाल की राजनीति में दखल देने के आरोप लगाये थे। इसके बाद चीनी राजदूत ने आर्थिक सहायता तथा दूसरी मदद से नेपाल पर डोरे डालने शुरू किये। इन दो सालों में यांगी की कामयाबी इस हद तक जा पहुंची कि सदियों से बड़े-छोटे भाई के रिश्ते वाले भारत-नेपाल दूर होते चले गये।

दरअसल, यांगी ने हिमालय की गोद में बसे नेपाल के लोगों का दिल जीतने के लिये बहुत ही सौम्य कूटनीति अपनायी। उसकी कार्यशैली अन्य चीनी कूटनीतिज्ञों से बिल्कुल भिन्न रही है। आमतौर पर धारणा है कि चीनी राजनयिक चीन का बचाव करने के लिये बेहद आक्रामक और रूखा व्यवहार करते हैं। जिसे पश्चिमी कूटनीतिज्ञ 'वॉल्फ वॉरियर्स' की संज्ञा देते हैं। लेकिन यांगी ने सोशल और परंपरागत मीडिया का भरपूर इस्तेमाल नेपाली लोगों के करीब आने के लिये किया। एक बार उसने ट्वीट किया 'हम लोग पड़ोसी हैं, जो पहाड़ों-नदियों से जुड़े हैं। हमारी दोस्ती अमर रहे।' वह कभी नेपालियों को उनके नये साल की बधाई देती तो कभी फिल्मों के टिकट तक बांटती। कभी कोरोना वायरस फैलाने के चीन पर लगे आरोपों का बचाव करती। उसने नेपाल के लोगों को बढ़-चढ़कर बताया कि चीन नेपाल के लिये क्या-क्या कर रहा है। आमतौर पर चीनी लोग ट्विटर से दूर रहते हैं मगर यांगी हर घटना के लिये नेपाली भाषा में ट्वीट करती है। उसके हजारों फालोअर हैं। नेपाल की राजनीति में बड़ा मोड़ तब आया जब ओली ने अपनी कुर्सी बचाने के लिये उग्र राष्ट्रवाद का सहारा लिया और आरोप लगाया कि भारत ने नेपाल की जमीन पर अधिकार किया है। ऐसे हालात में यांगी ने नेपाल को चीन के खेमे में खींचने में भरपूर कामयाबी हासिल की। यहां तक कि यांगी के कार्यकाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अक्तूबर, 2019 में दो दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे। उस दौरान चीन व नेपाल के बीच 20 सूत्रीय समझौता हुआ, जिसमें नेपाल को रेलमार्ग से चीन से जोड़ना भी शामिल था, जिससे आयात-निर्यात के लिये नेपाल की भारत पर निर्भरता कम की जा सके।

हाल के सीमा विवाद पर भारत द्वारा बात न करने की स्थिति को यांगी ने एक अवसर के रूप में भुनाया। उसने न केवल बिखराव के मोड़ पर खड़ी सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी को टूटने से बचाया बल्कि ओली की कुर्सी भी सुरक्षित की। वह नेपाली राजनीति में गहरे तक उतर गई और कई चीजों को तय करने में भूमिका निभाने लगी। यहां तक कि ओली की कुर्सी बचाने के लिये उसने नेपाल के राष्ट्रपति वीडी भंडारी व ओली के धुर विरोधी माधव कुमार नेपाल तक से मुलाकात की। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री झाला नाथ खनाल से भी मिली। उसके बाद सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की वह अहम बैठक रद्द हो गई, जिसमें ओली से इस्तीफा मांगा जाना था व पार्टी टूट के कगार पर थी। कहा जाता है कि नेपाल का विवादित नक्शा बनाने में यांगी की भूमिका रही है। पार्टी का वह प्रतिनिधिमंडल जो राजनीतिक मानचित्र बदलने के लिये संविधान संशोधन विधेयक का मसौदा तैयार करने में सहायता कर रहा था, वह लगातार चीनी राजदूत के संपर्क में था। यांगी का ओली के दफ्तर और घर लगातार आना-जाना लगा रहता है। हालांकि, अब चीनी राजदूत के नेपाल की अंदरूनी राजनीति में अनावश्यक हस्तक्षेप के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन भी होने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाजिर मांग के कारण एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में तेजी के रुख के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 138.60 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में एल्युमीनियम के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत पांच पैसे अथवा 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 138.60 रुपये प्रति किग्रा हो गयी जिसमें 1,017 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मामूली मांग के कारण व्यापारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली से मुख्यतः यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी आई।

टाटा मोटर्स की वैश्विक थोक बिक्री में 64 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई। टाटा मोटर्स समूह की वैश्विक थोक बिक्री चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 64 प्रतिशत गिर गयी। इसमें जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की बिक्री भी शामिल है। कंपनी ने शेयर बाजार को शुक्रवार को जानकारी दी कि टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों और टाटा देवू श्रृंखला के वाहनों की कुल वैश्विक बिक्री अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 89 प्रतिशत गिरकर 11,598 इकाई रही। इसी तरह कंपनी के सभी यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री समीक्षावधि में सालाना आधार पर 49 प्रतिशत गिरकर 79,996 वाहन रही। जबकि जेएलआर की वैश्विक बिक्री इस दौरान 65,425 इकाई रही। इस प्रकार पूरे समूह की कुल वैश्विक बिक्री सालाना आधार पर 64 प्रतिशत गिर गयी। हालांकि, कंपनी ने पिछले साल इस अवधि के दौरान वाहनों के तुलनात्मक बिक्री आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

यूनियन बैंक ने एमसीएलआर में 0.20 प्रतिशत की कटौती की

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को विभिन्न अवधि के लिए सीमांत लागत धन-आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.20 प्रतिशत कटौती की घोषणा की। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि संशोधित एक वर्षीय एमसीएलआर 7.60 प्रतिशत की जगह 7.40 प्रतिशत होगी। तीन महीने और छह महीने के एमसीएलआर को घटाकर क्रमशः 7.10 फीसदी और 7.25 फीसदी कर दिया गया है। पिछले साल जुलाई से बैंक द्वारा लगातार 13 बार दर में कटौती की गई है। इससे पहले देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने शुक्रवार को छोटी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.05 से 0.10 प्रतिशत की कमी की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के एक अन्य बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने सभी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.25 प्रतिशत तक कटौती की है। इस हफ्ते की शुरुआत में केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी एमसीएलआर में कटौती की थी।

प्रसाद का डेटा इस्तेमाल में पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं विधि मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने बृहस्पतिवार को डेटा के इस्तेमाल में पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी एक देश के डेटा का इस्तेमाल दूसरे देश में गुप्त संपत्ति के तौर पर चोरी- छिपे नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि एक उचित डिजिटल दुनिया ही लोकतंत्र में टिक सकती है। ऐसे में एक अधिक पारदर्शी प्रणाली की जरूरत है। प्रसाद ने इंडिया ग्लोबल वीक-2020 को संबोधित करते हुए कहा, ''डिजिटल दुनिया का सार पारदर्शिता है, जिसमें बटन के एक क्लिक पर सब कुछ उपलब्ध है। इस प्रणाली को बेहतर तरीके से कायम रखा जाना चाहिए। निजता, डेटा सुरक्षा और निगरानी पर उचित नियंत्रण के लिए यह जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया को अधिक पारदर्शिता और खुलेपन की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि एक देश का डेटा दूसरे देश की गुप्त संपत्ति नहीं बननी चाहिये। देश में डेटा सुरक्षा कानून पर काम चल रहा है। इस बारे में प्रसाद ने कहा कि विधेयक की संसद की प्रवर समिति द्वारा समीक्षा की जा रही है।

चीन को एक और झटका, 5 सालों के लिए लगाई गई एंटी डंपिंग ड्यूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीनी आयात पर नकेल कसने के लिए भारत ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। चीन से आयात होने वाले कुछ मेजरिंग टेप और पार्ट्स एवं कम्पोनेंट पर पांच साल के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी लगा दी गई है। इससे देश में सस्ते चीनी माल की भरमार पर अंकुश लग सकेगा। भारत चीन सीमा तनाव के बाद देश की जनता सरकार से चीनी सामान के बहिष्कार की मांग कर रही थी। चीन ने हमेशा से विश्व व्यापार संगठन और मुफ्त व्यापार एग्रीमेंट का फायदा उठाकर भारत को सस्ता और घटिया क्वालिटी का चीनी सामान डंप किया है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने चीन से आयात होने वाले स्टील और फाइबर ग्लास मापने के टेप पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई है। डीजीटीआर वाणिज्य मंत्रालय का इन्वेस्टिगेशन विंग है। डीजीटीआर का कहना है कि चीन की ओर से लगातार इस सामान को भारतीय बाजारों में डंप किया जा रहा है। डंपिंग की वजह से कीमत काफी कम हो जाती है और ये सामान भारतीय बाजार में आसानी से पैठ बना लेता है। इसलिए स्थानीय मैन्यूफैक्चर्स को बचाने के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने का फैसला किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा कि चीन से आयात होने वाले स्टील और फाइबर ग्लास के नाप लेने वाले टेप और उनके पार्ट और कंपोनेंट पर पांच साल के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई जाएगी। कुछ कंपनियों पर यह ड्यूटी 137 रुपए प्रति किलोग्राम तो कुछ कंपनियों पर 192 रुपए प्रति किलोग्राम होगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह ड्यूटी इंडियन करेंसी यानी रुपए में चुकानी होगी। यह ड्यूटी पहली बार 9 जुलाई 2015 को पांच सालों के लिए लगाई गई थी। रुपए में चुकानी होगी। यह ड्यूटी पहली बार 9 जुलाई 2015 को पांच सालों के लिए लगाई गई थी। अब उसी को अगले पांच साल के लिए फिर से बढ़ा दिया गया है। अगर चाहे तो इसे समय से पहले हटा भी सकती है। भारत में बने एसेसरीज में सारा कच्चा माल चीन से आता है। सबसे ज्यादा मांग बैटरी और एलसीडी की होती है और ये दोनों चीन से आती हैं। क्योंकि चीन की कंपनियां अच्छी फिनिशिंग देते हैं, इसलिए लोगों में वो काफी पसंद आती हैं। देश के व्यापारियों के शीर्ष संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) त्योहारों को खास बनाने जा रहा है। कैट ने दावा किया कि आने वाले त्योहारों में चीनी सामानों का पूरी तरह से बहिष्कार किया जाएगा और भारतीय बाजार में घरेलू उत्पाद प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहेंगे।

चालू वित्त वर्ष में 14 से 18 प्रतिशत तक गिर सकती है वाहन आज-पुर्जा क्षेत्र की कमाई: इक्रा

नयी दिल्ली। घरेलू मूल उपकरण विनिर्माताओं, नये कलपुर्जों और निर्यात की कमजोर मांग के कारण वाहन कल पुर्जा क्षेत्र का राजस्व 2020-21 में 14 से 18 प्रतिशत तक घट सकता है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान व्यक्त किया है। कोरोना वायरस महामारी तथा इसकी रोकथाम के लिये देश भर में लगाये गये लॉकडाउन से वाहन कल पुर्जा उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। हालांकि, बैटरी व टायर जैसे उद्योगों पर असर कम रहेगा। इक्रा ने एक बयान में कहा, ''वित्त वर्ष 2020-21 में वाहनों की बिक्री में करीब 15-16 प्रतिशत की गिरावट रहने के अनुमान हैं। इनमें से यात्री वाहन श्रेणी में गिरावट 22 से 25 प्रतिशत तक की रह सकती है।'' एजेंसी ने कहा कि धीमी आर्थिक वृद्धि, क्षमता की अधिकता, वित्त पोषण की कठिनाइयों तथा भारत स्टेज छह उत्सर्जन मानकों के अनुपालन से कीमत वृद्धि के चलते चालू वित्त वर्ष वाणिज्यिक वाहनों के लिये भी मुश्किलों भरा रहने वाला है। हालांकि, इक्रा का मानना है कि दोपहिया वाहनों के लिये फायदे की स्थिति हो सकती है। लोग सार्वजनिक वाहनों के इस्तेमाल से कतरा रहे हैं।

वोडाफोन-आइडिया की हालत बेहद खराब, टावर कंपनियों का बिल चुकाने के भी नहीं हैं पैसे

नई दिल्ली। वोडाफोन ग्रुप और आदित्य बिरला ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर वोडाफोन आइडिया ने टेलिकॉम टावर कंपनियों को जून महीने का रेंटल और एनर्जी का भुगतान करने में डिफॉल्ट किया है। टेलिकॉम टावर फर्म के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस डिफॉल्ट की वजह एडस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का सरकार को किया गया भुगतान है। उसकी वजह से पैसों की दिक्कत हो गई, जिसके चलते कंपनी रेंट और एनर्जी का बिल नहीं दे पाई। उन्होंने कहा, सामान्य तौर पर कंपनी हर महीने की तीसरी तारीख को भुगतान कर देती है, लेकिन इस महीने हमें एक भी पैसा नहीं मिला है। वोडाफोन आइडिया का सारी टेलिकॉम कंपनियों पर कुछ सौ करोड़ रुपए का बिल बकाया है। इससे एक चेन रिएक्शन होगा, क्योंकि हमें अपने सप्लायर्स को भी भुगतान करना होता है, जिसमें तेल कंपनियां भी शामिल हैं। वोडाफोन आइडिया इस समय पैसों की भारी किल्लत से जूझ रही है। जब से कंपनी को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से 54 हजार करोड़ रुपए के एजीआर का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। एजीआर का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। मार्च 2020 को खत्म हुए वित्त वर्ष में वोडाफोन ग्रुप ने 73,131 करोड़ रुपए का नुकसान दिखाया था। इस दौरान कंपनी को 44,715 करोड़ रुपए की आय हुई थी।

देश में ईंधन की मांग में लगातार सुधार, मई के मुकाबले जून में 11 प्रतिशत बढ़ी मांग

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी की वजह से देश में लागू लॉकडाउन में ढील दिये जाने के बाद ईंधन की मांग में सुधार जारी है। पूर्ण लॉकडाउन के दौरान अप्रैल में ईंधन की मांग 13 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई थी। मई के आखिर से अंकुशों में ढील के बाद आर्थिक गतिविधियों धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं, जिससे ईंधन की मांग गढ़ रही है। ईंधन की मांग बढ़ने की एक और वजह यह है कि इस महामारी के डर से अब ज्यादा से ज्यादा लोग सार्वजनिक के बजाय निजी वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार जून में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत मई की तुलना में 11 प्रतिशत बढ़कर 1.62 करोड़ टन पर पहुंच गई। हालांकि, यह जून, 2019 की तुलना में 7.8 प्रतिशत कम है। पिछले साल जून में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 1.76 करोड़ टन रही थी अप्रैल में ईंधन की मांग घटकर 99.3 लाख टन पर आ गई थी। यह 2007 के बाद इसका सबसे निचला स्तर रहा है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी बंद लागू किया गया था। आर्थिक गतिविधियां रुक गई थीं, और ज्यादातर वाहन खड़े हो गए थे। कुल मिलाकर ईंधन की मांग अभी कोविड-19 से पूर्व के स्तर के 92 प्रतिशत पर पहुंची है। सबसे ज्यादा उपभोग वाले ईंधन डीजल की मांग सामान्य के 84.5 प्रतिशत तथा पेट्रोल की मांग सामान्य के 86.4 प्रतिशत पर है। जून में डीजल की खपत 63 लाख टन रही, जो मई के मुकाबले 14.5 प्रतिशत अधिक है, लेकिन जून, 2019 की तुलना में 15.4 प्रतिशत कम है। जून में डीजल की मांग अप्रैल की तुलना में लगभग दोगुना हो गई है। अप्रैल 2020 में यह 32.5 लाख टन रही थी। आंकड़ों के अनुसार जून में पेट्रोल की बिक्री मई की तुलना में 29 प्रतिशत बढ़कर 22.8 लाख टन पर पहुंच गई। हालांकि, यह एक साल पहले जून, 2019 की तुलना में 13.5 प्रतिशत कम है लेकिन मई 2020 के 9,73,000 टन के आंकड़े की तुलना में यह दोगुना से ज्यादा है। अधिकारियों ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की मांग तेजी से बढ़ रही है क्योंकि लोग अब सार्वजनिक वाहनों के बजाय निजी वाहनों का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस दौरान रसोई गैस सिलेंडर यानी एलपीजी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि सरकार कोविड-19 संकट के बीच गरीब परिवारों को एलपीजी मुफ्त उपलब्ध करा रही है। जून में एलपीजी की मांग 15.7 प्रतिशत बढ़कर 20.7 लाख टन रही। अभी काफी सीमित संख्या में उड़ान सेवाएं शुरू हुई हैं। ऐसे में सालाना आधार पर विमान ईंधन एटीएफ की मांग 65.8 प्रतिशत घटकर 2,22,000 टन रह गई।

अमेरिका ने संदिग्ध लाइसेंस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के परिचालन पर पाबंदी लगायी

इस्लामाबाद। अमेरिका ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की उड़ानों पर कम-से-कम छह महीने के लिये पाबंदी लगा दी है। यह प्रतिबंध पायलटों के संदिग्ध लाइसेंस का हवाला देते हुए लगाया गया है। पाकिस्तान पायलटों को फर्जी लाइसेंस दिये जाने की रिपोर्ट के बाद यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) ने मंगलवार को अपने 32 सदस्यीय देशों से कामकाज से पाकिस्तान पायलटों को प्रतिबंधित किये जाने का आदेश दिया। पाकिस्तान में 262 पायलटों को उड़ान की अनुमति नहीं देने के बाद यह कदम उठाया गया। इस बारे में विमानन मंत्री गुलाम सरवर खान ने नेशनल एसेंबली में उनके लाइसेंस को संदिग्ध करार दिया था। अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अमेरिकी प्राधिकरण ने ई-मेल के जरिये राष्ट्रीय एयरलाइन की उड़ानों को प्रतिबंधित करने को अधिसूचित किया। उन्होंने यह भी कहा कि पीआईए को प्राप्त विशेष उड़ान लाइसेंस को भी रद्द किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पीआईए में पायलटों के पास संदिग्ध लाइसेंस के मसले को देखते हुए प्रतिबंध लगाया गया है। के मसले को देखते हुए प्रतिबंध लगाया गया है। पीआईए को अमेरिका के लिये 12 सीधी विशेष उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी गयी थी।

ब्रिटेन की अदालत ने नीरव मोदी की न्यायिक हिरासत 6 अगस्त तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पीएनबी धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की ब्रिटेन में न्यायिक हिरासत छह अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। मोदी पर यहां भारत को प्रत्यर्पण किए जाने के मामले की सुनवाई चल रही है। उल्लेखनीय है कि मोदी ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ करीब दो अरब डॉलर की धोखाधड़ी को अंजाम दिया। इसे लेकर भारत में विभिन्न जांच एजेंसियों ने उनके खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। इस मामले में मोदी के सहयोगी मेहुल चौकसी भी भारत में वांछित हैं। मोदी बृहस्पतिवार को ब्रिटेन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में प्रत्यर्पण मामले की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के लिए पेश हुए। पिछले साल मार्च में गिरफ्तार होने के बाद वह लंदन की वांड्सवर्थ जेल में कैद हैं। मुख्य मजिस्ट्रेट एमा आर्बथनॉट ने नियमित 28 दिन में होने वाली इस सुनवाई के दौरान मोदी को सूचित किया कि उनकी अगली सुनवाई छह अगस्त को होगी। मोदी के प्रत्यपर्ण मामले में दूसरे दौर की सुनवाई सितंबर से शुरू होनी है। इस मामले में पहले चरण की चार दिन की सुनवाई जिला न्यायाधीश सैमुअल गूजे की अध्यक्षता में मई में हुई। बाद में लॉकडाउन के चलते उनकी दूसरे दौर की पांच दिन की सुनवाई सात सितंबर से होना तय किया गया। मजिस्ट्रेट आर्बथनॉट ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सितंबर में जब अगले दौर की सुनवाई शुरू होगी तब तक जेल से आने-जाने पर लगे यह प्रतिबंध हट जाएंगे और आप खुद अदालत में मौजूद हो सकेंगे ताकि आगे की कार्रवाई हो सके। सुनवाई के दौरान जेल में मोदी को मामले से जुड़ी जानकारियां नोट करते देखा गया।

खुद अदालत में मौजूद हो सकेंगे ताकि आगे की कार्रवाई हो सके। सुनवाई के दौरान जेल में मोदी को मामले से जुड़ी जानकारियां नोट करते देखा गया। आप खुद अदालत में मौजूद हो सकेंगे ताकि आगे की कार्रवाई हो सके। सुनवाई के दौरान जेल में मोदी को मामले से जुड़ी जानकारियां नोट करते देखा गया।

एक महीने में तीन गुना महंगा हुआ टमाटर, सरकार ने बताई यह वजह

नई दिल्ली। देश के लगभग तमाम बड़े शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें बढ़कर 60-70 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं। केन्द्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा यह कमी वाला मौसम है, टमाटर के खराब होने की संभावना भी अधिक रहती है। मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार को चेन्नई के अलावा मेट्रो शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई, जो एक महीने पहले लगभग 20 रुपए प्रति किलो थी। कुछ स्थानों पर, टमाटर 70-80 रुपए प्रति किलो के भाव बेचा जा रहा है। गुड़गांव, गंगटोक, सिलीगुड़ी और रायपुर में टमाटर 70 रुपए प्रति किलो के भाव बिक रहा है, जबकि गोरखपुर, कोटा और दीमापुर में 80 रुपए प्रति किलोग्राम का भाव है। आंकड़ों के अनुसार, उत्पादक राज्यों में भी, हैदराबाद में कीमत मजबूत होकर 37 रुपए प्रति किग्रा है, चेन्नई में 40 रुपए किलो और बेंगलुरु में 46 रुपए किलो है। बढ़ती कीमतों के बारे में पूछे जाने पर, पासवान ने कहा, ''फसल का समय नहीं होने के कारण आम तौर पर, जुलाई से सितंबर के दौरान टमाटर की कीमतें अधिक रहती हैं। टमाटर के जल्द खराब होने के गुण के कारण, इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है।

चीनी सामानों का खुलासा नहीं करने पर लगेगा भारी जुर्माना, हो सकती है जेल

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच चल रही टेंशन के बाद से भारत चीनी सामानों को बैन कर दिया गया है। चीन से हो रहे आयात को लेकर भारत सरकार अब सख्त हो गई है। विदेशों से पैकेज्ड आइटम आयात करने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों, मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों और मार्केटिंग एजेंसियों की अब खैर नहीं है। अगर उन्होंने सामान पर कंट्री ऑफ ओरिजन नहीं दिखाया तो उन पर 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है और साथ ही एक साल जेल भी हो सकती है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ऐसी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी का गठन किया है। अथॉरिटी स्वतः संज्ञान लेते हुए या केंद्र सरकार के निर्देश पर ऐसी कंपनियों के खिलाफ ऐक्शन ले सकती है। मंत्रालय ने अतिरिक्त सचिव को चीफ कमिश्नर और बीआईएस के डायरेक्टर जनरल को इनवेस्टिगेटिंग ऑफिसर बनाया है। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि उन्होंने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों और राज्य सरकारों को लिखा है कि पैकेज्ड कमोडिटीज रूल्स के तहत प्रोडक्ट पर कंट्री ऑफ ओरिजिन का उल्लेख करना अनिवार्य है। ऑफिसर बनाया है। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि उन्होंने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों और राज्य सरकारों को लिखा है कि पैकेज्ड कमोडिटीज रूल्स के तहत प्रोडक्ट पर कंट्री ऑफ ओरिजिन का उल्लेख करना अनिवार्य है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव ने कहा कि अगर कोई मैन्यूफैक्चरर या मार्केटिंग फर्म इसका पालन नहीं करती हैं तो पहली बार में उस पर 25 हजार रुपए का फाइन लगेगा। दूसरी बार ऐसा करने पर 50 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा। इसके बाद एक लाख रुपए का जुर्माना या एक साल की जेल या दोनों भुगतने पड़ सकते हैं। यह ई-कॉमर्स कंपनियों पर भी लागू होगा, अगर उन्होंने अपनी वेबसाइट पर इसकी डिटेल नहीं बताई।

अधिकारियों ने बताया कि सभी मैन्यूफैक्चरर्स, आयातकों, पैकर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के प्रोडक्ट पर कंट्री ऑफ ओरिजिन डिस्प्ले करने का प्रावधान जनवरी 2018 से लागू है। सचिव ने कहा कि डीपीआईआईटी द्वारा बुलाई गई बैठक में इस मुद्दे पर ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, हम सब इसे लागू करने पर सहमत हैं। अगर ई-कॉमर्स कंपनियां कानून के मुताबिक अपने प्रोडक्ट पर कंट्री ऑफ ओरिजिन डिस्प्ले करती हैं तो उपभोक्ताओं को फैसला करने में मदद मिलेगी।

यस बैंक ने एफपीओ की आधार दर 12 रुपये प्रति शेयर तय की, न्यूनतम हजार शेयरों की लगेगी बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र के यस बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने 15 जुलाई को खुलने वाले अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के माध्यम से 15 हजार करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के लिये आधार दर 12 रुपये प्रति शेयर तय की है। बैंक ने बीएसई को बताया कि निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति ने एक बैठक में आधार दर 12 रुपये प्रति शेयर रखे जाने को मंजूरी दी। एफपीओ के लिये अधिकतम दर 13 रुपये प्रति शेयर होगी। समिति ने यह भी तय किया है कि बोली लगाने वाले न्यूनतम एक हजार शेयरों की बोली लगा सकेंगे। इसके बाद यह हजार के गुणक में बढ़ सकता है। बैंक ने पात्र कर्मचारियों के लिये एक रुपये प्रति शेयर की विशेष छूट की भी घोषणा की। यस बैंक का एफपीओ 15 जुलाई को खुलेगा और 17 जुलाई को बंद होगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में यस बैंक को अपने निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति (सीआरसी) से पेशकश के जरिए धन जुटाने की मंजूरी मिली थी। यस बैंक ने महाराष्ट्र में कंपनी पंजीयक के समक्ष सात जुलाई 2020 को रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरआरपी) दाखिल किया था। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक बयान में कहा था कि उसके केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति ने यस बैंक के एफपीओ में अधिकतम 1,760 करोड़ रुपये तक निवेश को मंजूरी दे दी है।

देश के नौ प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री अप्रैल-जून में 67 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डेटा विश्लेषण फर्म प्रॉपइक्विटी के विश्लेषण के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी और इसके चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के कारण नौ प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री 67 प्रतिशत घटकर 21,294 इकाई रह गई। प्रॉपइक्विटी के अनुसार अप्रैल-जून 2020 के दौरान कुल मकानों की बिक्री 21,294 इकाई रही, जो एक साल पहले की अवधि में 64,378 इकाई थी। इस तरह इसमें 67 प्रतिशत की गिरावट हुई। रिपोर्ट के मुताबिक नोएडा को छोड़कर अन्य सभी आठ शहरों में बिक्री घटी। गुरुग्राम में समीक्षाधीन अवधि में मकानों की बिक्री 791 प्रतिशत घटी और यह पिछले साल की समान अवधि के 1,707 से घटकर 361 इकाई रह गई। इस तरह चेन्नई और हैदराबाद में मकानों की बिक्री 74 प्रतिशत तक गिर गई, जबकि बेंगलुरु में 73 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। प्रॉपइक्विटी के मुताबिक मुंबई में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 63 प्रतिशत, ठाणे में 56 प्रतिशत और पुणे में 70 प्रतिशत घटी। हालांकि, इस दौरान नोएडा में बिक्री में पांच प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 1,123 इकाई से बढ़कर 1,177 इकाई हो गई। हाल में, संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने कहा था कि एक अनुमान के मुताबिक इस साल अप्रैल-जून के दौरान सात शहरों में बिक्री 81 प्रतिशत घटकर 12,740 इकाई रह गई।

एसबीआई के बाद अब इस सरकारी बैंक ने घटाईं ब्याज दरें, सस्ता हुआ लोन

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

एसबीआई के बाद एक और सरकारी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने की दरें घटाने का ऐलान किया है। बैंक ने सभी अवधी के लिए एमसीएलआर दरें 0.20 फीसदी तक घटा दी हैं। नई दरें 11 जुलाई 2020 से लागू होंगी। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि संशोधित एक वर्षीय एमसीएलआर 7.60 प्रतिशत की जगह 7.40 प्रतिशत होगी। तीन महीने और छह महीने के एमसीएलआर को घटाकर क्रमशः 7.10 फीसदी और 7.25 फीसदी कर दिया गया है। पिछले साल जुलाई से बैंक द्वारा लगातार 13 बार दर में कटौती की गई है। इससे पहले देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने शुक्रवार को छोटी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.05 से 0.10 प्रतिशत की कमी की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के एक अन्य बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने सभी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.25 प्रतिशत तक कटौती की है। इस हफ्ते की शुरुआत में केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी एमसीएलआर में कटौती की थी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने जून में भी अपने सभी ग्राहकों के लिए कर्ज देने की ब्याज की दरों में कमी करने की घोषणा की थी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने उस दौरान प्रमुख ब्याज दर एमसीएलआर में 0.10 फीसदी की कमी की थी। उस समय यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एक साल के कर्ज पर अपनी एमसीएलआर 7.70 प्रतिशत से घटा कर 7.60 प्रतिशत कर दी थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली फीडे स्पीड महिला से हुई बाहर

मॉस्को । भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली फीडे स्पीड महिला के तीसरे चरण में ग्रां प्री के क्वाटर फाइनल में हारकर बाहर हो गयी है और दोनों अंतिम चार में शामिल होने में असफल रही । यूरोपियन ब्लिट्ज चैंपियन रूस की एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने आश्चर्यजनक रूप से भारत की वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरू हम्पी को 9-2 से हराया और कोनेरु हम्पी को एक बार फिर ऑनलाइन शतरंज रास नहीं आया , जबकि महिलाओं में विश्व नंबर 1 चीन की हाउ ईफ़ान नें हरिका द्रोणावल्ली को पछाड़कर 7-3 के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं एक और बड़े उलटफेर में ईरान की सारासादत खदेमलसरीह नें मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजून को 7-5 से पराजित करते हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया । वही एक और मुक़ाबले में रूस की मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियन लागनों काटेरयना नें ग्रां प्री की दौड़ में सबसे आगे चल रही उक्रेन की अन्ना उशेनिना को बेहद कड़े मुक़ाबले में टाईब्रेक मेंमात देते हुए 7-6 से मात दी । अब सेमी फ़ाइनल में रूस की काटेरयना रूस की ही अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टिनीयुक से तो चीन को हाउ ईफ़ान ईरान की सारासादत से मुक़ाबला खेलेंगी ।

भारतीय मुक्केबाजी

भारतीय मुक्केबाजों की रैंकिंग में उछाल, पंघल नंबर वन; मैरी तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा है कि ट्रेनिंग शुरू होने से पहले खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार होने से उनका मनोबल बढ़ेगा जो अगले साल होने वाले टोक्यो ओलम्पिक के लिए मजबूत संकेत है। भारतीय मुक्केबाजों ने लगातार विश्व चैंपियनशिप विश्व चैंपियनशिप टॉप छह में जगह बनाकर और रिकॉर्ड नौ ओलम्पिक कोटा हासिल कर अपनी श्रेष्ठता को साबित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की जारी रैंकिंग में 12 खिलाड़ियों ने टॉप -10 में अपनी जगह बनाई है जिसमें आठ महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। इसमें अमित पंघल (52 किग्रा) शीर्ष पर काबिज हैं। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बतौर बीएफआई अध्यक्ष मैं हमेशा भारतीय मुक्केबाजों को रैंकिंग में टॉप पर देखना चाहता हूं और इससे मुझे अंत्यत संतुष्टि मिलती है। पदक जीतना और रैंकिंग में टॉप पर आना विशेष अनुभव है लेकिन हम अभी भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने के मिशन में प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय दल की इस सफलता का मंत्र निरंतर मेहनत करना रहा है और टीम ने इसे कई बार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में साबित किया है। भारतीय टीम ने न केवल परिणाम में बल्कि रैंकिंग में भी अपना दबदबा बनाए रखा है। अमित पंघल 52 किग्रा भार वर्ग में नंबर एक पोजिशन पर कायम हैं। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम 51 किग्रा में तीसरे स्थान पर हैं जबकि महिला विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक से जीत की शुरुआत करने वाली युवा मंजू रानी 48 किग्रा में को करियर के सर्वश्रेष्ठ नंबर दो स्थान पर हैं। टॉप-10 में शामिल भारतीय पुरुषों में दीपक 49 किग्रा में छठे स्थान पर, कविंदर सिंह बिष्ट 56 किग्रा में चौथे स्थान पर और मनीष कौशिक 64 किग्रा में छठे स्थान पर शामिल हैं। महिलाओं में जमुना बोरो 54 किग्रा में पांचवें स्थान पर, सोनिया चहल 57 किग्रा में चौथे स्थान पर, सिमरनजीत कौर 64 किग्रा में छठे स्थान पर, लवलीना बोर्गोहेन 69 किग्रा में तीसरे स्थान पर, पूजा रानी 81 किग्रा में आठवें स्थान पर और सीमा पूनिया 81 किग्रा से अधिक में छठे स्थान पर हैं। तीन महीनों के लॉकडाउन के बाद मुक्केबाज जल्द ही अपने प्रशिक्षण की शुरुआत करेंगे।

शाहिद अफरीदी ने खोला राज, बताया- 2014 के एशिया कप में पाकिस्तान ने भारत को कैसे हराया था

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान टीम के कप्तान शाहिद अफरीदी एक बार फिर से सुर्खियों में चल रहे है। जहां उन्होंने टीम इंडिया के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि साल 2014 में जब एशिया कप में पाकिस्तान ने भारत को हराया था। तब पाक टीम के खिलाड़ियों ने भारत के खिलाड़ियों को बेखूबी चकमा दिया था। बता दें, फाइनल में पहुंचने के बाद भी पाक टीम चैंपियन नहीं बन पाई थी। उसे श्रीलंका ने हरा दिया था। दरअसल, एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान शाहिद अफरीदी ने कहा, उस मैच में आर. अश्विन अच्छी गेंदबाज़ी कर रहे थे। अश्विन के सामने सईद अजमल थे। मैंने अजमल से कहा कि वो सिर्फ़ एक रन लेकर स्ट्राइक मुझे दे दें। मैंने उनसे ये भी कहा कि वह स्वीप शॉट न खेलें. लेकिन सईद अजमल ने वही गलती की और अपना विकेट गंवा दिया। अफरीदी ने कहा, मैंने

अश्विन के ख़िलाफ जानबूझकर लेग साइड की तरफ देखा। मैं उन्हें गच्चा देना चाहता था। जिससे उन्हें ये लगे कि मैं लेग साइड पर बड़ा शॉट खेलूंगा। मैं सिर्फ़ ये चाहता था कि वो ऑफ़ स्पिन न फेंके। अश्विन ने यही किया। उन्होंने लेग स्पिन की। मैंने 'एक्स्ट्रा कवर' के ऊपर छक्का लगाया। मैंने 'एक्स्ट्रा कवर' के ऊपर छक्का लगाया। अफरीदी ने आगे कहा, अगली गेंद मुश्किल थी। वो मेरे बल्ले के बीच में नहीं आई थी। शॉट खेलने के बाद मैं लगातार यही सोच रहा था की गेंद बाउंड्री पार जाएगी या नहीं लेकिन आखिरकार गेंद बाउंड्री के पार गई और मैंने राहत की सांस ली. हालांकि एशिया कप 2014 के फाइनल में पहुंचने के बाद भी पाकिस्तान की टीम चैंपियन नहीं बन पाई थी। उसे श्रीलंका ने हरा दिया था।

एफवन ने 2020 के कैलेंडर में टस्कन ग्रांप्री और रूसियन ग्रांप्री को शामिल किया

स्पीलबर्ग । फार्मूला वन (एफ-वन) ने इस साल के लिए शुक्रवार को जारी कार्यक्रम में पहली बार टस्कन ग्रांप्री और रूसी ग्रांप्री को शामिल किया है। मुगेलो सर्किट में टस्कन ग्रांप्री का आयोजन मोंजा में इटैलियन ग्रांप्री के बाद 13 सितंबर को होगा। इसके बाद 27 सितंबर को सोची ऑटोड्रोम में रूसी ग्रांप्री का आयोजन होगा। एफवन के अध्यक्ष चेस कारे ने कहा, 'हमने पिछले सप्ताह आस्ट्रिया में अपने सत्र की शानदार शुरुआत की और हमें उम्मीद है कि 2020 की शेष अवधि में सभी रेसों को आयोजित कर पायेंगे। उन्होंने कहा, 'हम पहली बार मुगेलो में एफवन रेस का आयोजन करने को लेकर उत्साहित है। यह फरारी का 1000वां ग्रांप्री होगा। कैलेंडर में इन दो ग्रांप्री के शामिल होने से मौजूदा सत्र में रेस की संख्या 10 हो गयी। सभी रेसों का आयोजन यूरोप में ही होगा। एफवन को उम्मीद है कि वह दिसंबर में बहरीन और अबु धाबी में रेसों का आयोजन कर सकेगा और सत्र में कुल 15 से 18 रेस होंगी।

टॉम मूडी ने चुनी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड टी - 20 XI, इस स्टार खिलाड़ी को बनाया कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

अपनी कोचिंग से कई टीमों को कप जीताने वाले ऑस्ट्रेलिया टीम के पूर्व क्रिकेटर और अब सफल कोच टॉम मूडी ने विश्व की बेस्ट टी20 टीम को चुना है। जहां सबसे ज्यादा इस टीम में खिलाड़ी भारतयी टीम में से है। बता दें, मूडी ने अपनी वर्ल्ड टी20 इलेवन का कप्तान टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज को चुना है। दरअसल, मूडी ने पूरे 12 खिलाड़ियो को कुल चुना है। जिसमें टॉम ने सलामी बल्लेबाज के क्रम पर डेविड वार्नर और रोहित शर्मा को शामिल किया है। टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान विराट कोहली को वन-डाउन और एबी को नंबर चार के स्थान पर रखा है। हालांकि मिडिल ऑर्डर की बात करें तो मूडी ने यहां विस्फोटक खिलाड़ी निकोलस पूरन और आंद्रे रसे को मौका दिया है। बात दें, टॉम ने रोहित शर्मा को इस टीम का कप्तान बनाया है। गौर हो कि रोहित ने अब तक टीम इंडिया के लिए 32 टेस्ट में 6 शतकों और 10 अर्धशतकों की मदद से 2141 रन, 22 वनडे में 29 शतकों और 43 अर्धशतकों की मदद से 9115 रन और 108 टी20 इंटरनेशल में 4 शतक, 21 अर्धशतकों की मदद से 2273 रन बनाए हैं। रोहित को सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे बेहतरीन ओपनरों में गिना जाता है। वह वनडे क्रिकेट में तीन दोहरा शतक जड़ने वाले दुनिया के

एकमात्र बल्लेबाज हैं। वर्ल्ड कप 2019 में उन्होंने रिकॉर्ड 5 शतक की मदद से सर्वाधिक 648 रन बनाए थे। वर्ल्ड कप 2019 में उन्होंने रिकॉर्ड 5 शतक की मदद से सर्वाधिक 648 रन बनाए थे। टॉम मूडी की वर्ल्ड ञ्20 इलेवन ङ्क्ष... डेविड वार्नर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, विकेटकीपर निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल सुनील नरेन, मिचेल स्टार्क, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, जोफ्रा आर्चर 12 मैन- रवींद्र जड़ेजा...।

संक्षिप्त समाचार

पीसीबी ने कनेरिया से कहा- फिर से क्रिकेट खेलना है तो ईसीबी से अपील करो

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को प्रतिबंधित लेग स्पिनर दानिश कनेरिया से कहा कि अगर वह क्लब या घरेलू स्तर पर खेलना शुरू करना चाहते हैं तो उन्हें इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से अपील करनी चाहिए। कनेरिया 2012 से प्रतिबंधित हैं और आजीविका कमाने के लिए क्रिकेट गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं लेकिन पीसीबी ने कहा कि वह ज्यादा कुछ नहीं कर सकता क्योंकि उन्हें सजा ईसीबी ने दी थी। पीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'ईसीबी भ्रष्टाचार रोधी संहिता का अनुच्छेद 6.8 इस मामले में लागू है जिसमें साफ लिखा है कि भ्रष्टाचार रोधी पंचाट के प्रमुख, जिसने एक खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगाया है, उसके पास खिलाड़ी को भाग लेने की अनुमति देने का अधिकार है। इसलिये आपको ईसीबी से अपील की सलाह दी जाती है।

उम्मीद से काफी कम कीमत पर लोगो अधिकार बेचने पर मजबूर हुआ पीसीबी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इंग्लैंड दौरे पर खेली जानी वाली श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय टीम के लिए प्रायोजक ढूंढने में सफल रहा लेकिन यह करार उसने उम्मीद से काफी कम कीमत पर किया। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी ने ट्रांसमीडिया के साथ एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है। यह कंपनी पिछले कुछ वर्षों से पीसीबी में विभिन्न प्रायोजन और मीडिया अधिकार खरीद रही है। ट्रांसमीडिया पहले से ही सहयोगी प्रायोजक के तौर पर पीसीबी को सालाना 15 करोड़ (पाकिस्तानी) रुपए का भुगतान कर रहा है। सूत्र ने बताया, 'ट्रांसमीडिया ने पाकिस्तान टीम की जर्सी और किट पर मुख्य लोगो के लिए तीन साल के सौदे के लिए 60 करोड़ रुपए की पेशकश की है। कई कोशिश के बाद पर निराशा का सामना करने के बाद बोर्ड ने अब 20 करोड़ रुपए में एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है। सूत्र ने बताया कि पीसीबी अगले साल फिर से लोगो अधिकार की नीलामी कर सकता है। इससे पहले पेप्सी का तीन साल का करार 55 लाख डालर (लगभग 91 करोड़ पाकिस्तानी रुपये) का था जो पिछले महीने खत्म हो गया। सूत्र के मुताबिक कंपनी नए करार के लिए पिछली रकम का 30 प्रतिशत ही देना चाहती थी लेकिन करार को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया। सूत्र के मुताबिक कंपनी नए करार के लिए पिछली रकम का 30 प्रतिशत ही देना चाहती थी लेकिन करार को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'शीर्ष अधिकारियों ने वैश्विक और स्थानीय कंपनियों से संपर्क किया लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली।

केकेआर की कप्तानी को लेकर सौरव गांगुली ने तोड़ी चुप्पी, दिया बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि आईपीएल में जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के कप्तान थे तो उन्हें कप्तानी में ज्यादा छूट नहीं दी गई थी। जीतनी मेरे बाद के कप्तान गौतम गंभीर को मिली थी। बता दें, आईपीएल का पहला सीजन 2008 में खेला गया था, उस समय सौरव गांगुली इस टी20 लीग के स्टार क्रिकेटर थे। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान गांगुली ने कहा, मैं एक इंटरव्यू में देख रहा था जहां गौतम गंभीर ने बताया था कि शाहरुख खान ने उन्हें कहा था कि यह आपकी टीम है और वो इसमें दखल नहीं देंगे। मैंने भी उन्हें पहले सीजन में यह ही कहा था, आप मेरे ऊपर छोड़ दीजिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, देखिए आईपीएल की बेस्ट टीम वही हैं, जहां खिलाड़ियों पर टीम को छोड़ दिया जाए। सीएसके को देखिए, महेंद्र सिंह धोनी इसे चलाते हैं। मुंबई इंडियंस में कोई भी रोहित शर्मा की बात नहीं काटता है, कोई नहीं कहता उनसे कि इन खिलाड़ियों को टीम में जगह दो। वहां दिक्कत विचार की थी, कोच को चार कप्तान चाहिए थे, तो विचारों में मतभेद था। मुझे चार कप्तान चाहिए फिर मैं अपनी तरह से टीम को चलाऊंगा। गौरतलब है कि दादा के क्रिकेट करियर पर नजर डाले तो उन्होंने साल 2008 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्टिय टीम से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। गांगुली ने अपने करियर में 311 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों गांगुली ने अपने करियर में 311 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11363 रन और 113 टेस्ट मैचों में 7212 रन बनाए। उनके खाते में 22 वनडे इंटरनैशनल और 15 टेस्ट सेंचुरी शामिल हैं।

हॉकी बहाल होने पर अंतर पैदा करना चाहती हूं : स्ट्राइकर शर्मिला देवी

हिसार (एजेंसी)।

भारतीय स्ट्राइकर शर्मिला देवी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण खेल गतिविधियां थमने से पहले उन्होंने महिला टीम के साथ बिताए गए प्रत्येक क्षण का पूरा लुत्फ उठाया और खेल शुरू होने पर वह अपने प्रदर्शन से मैदान पर अंतर पैदा करना चाहती हैं। पिछले साल तोक्यो में ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण करने वाली हिसार की 18 वर्षीय फारवर्ड ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय टीम के साथ रहते हुए कप्तान रानी और वंदना कटारिया जैसी सीनियर खिलाड़ियों के खेल को समझने की कोशिश की। शर्मिला ने कहा, 'मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुझे सुअर्ड मारिन के रूप में इतने अच्छे मुख्य कोच की निगरानी में तथा रानी और वंदना कटारिया जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिल रहा है। मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है और मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूं कि मैं देश की अच्छी खिलाड़ी बनने के लिये सब कुछ सही करूं। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हमें जल्द ही फिर से हॉकी खेलने का मौका मिलेगा और मैं वास्तव में खेल शुरू होने और हमारी टीम के शीर्ष टीमों से खेलने पर अपनी टीम के लिये अंतर पैदा करना चाहती हूं। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि देश का शीर्ष स्तर पर प्रतिनिधित्व करना उनका बचपन का सपना था। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल से जिंदगी बड़ी तेजी से दौड़ रही है लेकिन मैं इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकती।

मैंने देश की तरफ से खेलने और अपने देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने का सपना देखा था। मैं जब जूनियर टीम में थी तब मैं उन्हें केवल राष्ट्रीय शिविर के दौरान अभ्यास करते हुए ही देखती थी।

मैनचेस्टर यूनाईटेड ने एस्टन विल्ला को हराकर चैंपियन्स लीग की उम्मीदें बरकरार रखी

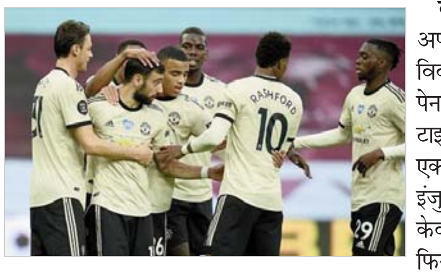

बर्मिंघम। ब्रूनो फर्नांडिस के विवादास्पद गोल से शुरुआती बढ़त बनाने वाले मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में एस्टन विल्ला को 3-0 से हराकर अपना विजय अभियान और चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की उम्मीदें बरकरार रखी। यूनाईटेड की यह प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत है लेकिन उसने 27वें मिनट में विवादास्पद परिस्थितियों में बढ़त बनायी। फर्नांडिस की वजह से यूनाईटेड को पेनल्टी मिली थी लेकिन तब इस खिलाड़ी ने स्वयं भी फॉउल किया था। फर्नांडिस ने इस पेनल्टी को गोल में बदलने में गलती नहीं की और फिर 58वें मिनट में पॉल पोग्बा को टीम की तरफ से तीसरा गोल करने में भी मदद की। इस बीच पहले हाफ के इंजुरी टाइम में 18 वर्षीय मैसन ग्रीनवुड ने दूसरा गोल किया था। यूनाईटेड अब भी पांचवें स्थान पर बना हुआ है लेकिन वह अब चौथे स्थान पर काबिज लीस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे है। अभी चार दौर के मैच बचे हुए है। इस बीच पहले हाफ के इंजुरी टाइम में 18 वर्षीय मैसन ग्रीनवुड ने दूसरा गोल किया था। इस बीच पहले हाफ के इंजुरी टाइम में 18 वर्षीय मैसन ग्रीनवुड ने दूसरा गोल किया था। यूनाईटेड अब भी पांचवें स्थान पर बना हुआ है लेकिन वह अब चौथे स्थान पर काबिज लीस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे है। अभी चार दौर के मैच बचे हुए है। दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी पर अगर यूरोपीय लीग में खेलने का दो साल का प्रतिबंध नहीं हटता तो फिर पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम भी चैंपियन्स लीग में जगह बना देगी।

इंग्लैंड और वेस्ट पहले टेस्ट में सोशल डिस्टेंसिंग का नहीं हो रहा है पालन

साउथम्पटन (एजेंसी) ।

इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के बीच यहां चल रहे पहले क्रिकेट टेस्ट में सोशल डिस्टेंसिंग का कतई पालन नहीं हो रहा है। कोरोना के कारण 117 दिन के लम्बे अंतराल के बाद इस मैच से अंतररष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी हुई है। यह मैच कई नए नियमों के तहत खेला जा रहा है जो अंतररष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोरोना के कारण लागू किए हैं जिसमें दर्शकों का स्टेडियम में नहीं होना, गेंद पर मुंह की लार का इस्तेमाल नहीं करना और खिलाड़ियों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना शामिल है। पहले टेस्ट के दूसरे दिन गुरूवार को यह देखा गया कि खिलाड़ियों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया। इंग्लैंड की पहली पारी 204 रन पर सिमटी। इंग्लैंड की पारी के दौरान विंडीज टीम के कप्तान जैसन होल्डर ने जब भी डीआरएस का इस्तेमाल किया गया, विंडीज के खिलाड़ी एक साथ खड़े नजर आए, हाई फाइव करते रहे और एक-दूसरे की पीठ थपथपाते रहे जबकि आईसीसी ने कोरोना को लेकर अपने दिशा निर्देशों में कहा था कि खिलाड़ी और अम्पायर हर समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। आईसीसी ने अपने दिशा निर्देशों में कहा था कि खिलाड़ी और अम्पायर क्रिकेट मैदान पर सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखें जिसमें खिलाड़ी ट्रेनिंग के दौरान भी आपस में डेढ़ मीटर का फासला बनाये रखें या फिर वह दूरी जो उस देश की सरकार ने लागू कर रखी है। आईसीसी ने यह भी कहा था कि मैदान में किसी तरह का जश्न नहीं होना चाहिए जिसमें शारीरिक संपर्क आता हो लेकिन इन दिशा निर्देशों का पूरी तरह उल्लंघन हुआ और इस पर मैदानी अम्पायरों ने भी कोई ध्यान नहीं दिया। होल्डर ने जब भी डीआरएस लिया, खिलाड़ी एक-दूसरे के आस-पास आकर खड़े हो गए और एक-दूसरे की पीठ थपथपाते रहे। विकेट गिरने का जश्न भी खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के पास आकर और हाई फाइव कर मनाया। इस दौरान मैदानी अम्पायरों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उल्लेखनीय है कि विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच के एड्रिया टूर में भी खिलाड़ियों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हुआ था जिसका नतीजा यह था कि जोकोविच सहित चार खिलाड़ी और दो कोच कोरोना पॉजिटिव हो गए थे और दूसरे चरण के फाइनल तथा शेष दो चरणों को रद्द करना पड़ा था। पहले दो चरणों में खिलाड़ी नेट के पास आकर हाथ मिला रहे थे, एक-दूसरे की पीठ थपथपा रहे थे और साथ खड़े होकर फोटो खिंचवा रहे थे। इसे लेकर जोकोविच की आलोचना की गयी थी। यूरोप में फुटबॉल की जो वापसी हुई है उसमें भी सोशल डिस्टेंसिंग का कोई पालन नहीं किया गया और गोल होने के बाद खिलाड़ियों ने आपस में इसका जश्न मनाया। यही स्थिति क्रिकेट मैदान में भी दिखाई दे रही है जहां खिलाड़ी सोशल डिस्टेंसिंग का कोई पालन नहीं कर रहे हैं। आईसीसी को इस पर ध्यान देना होगा।

फिल्मी दुनिया

फैमिली संग मुंबई की सड़कों पर टहलने निकले जैकी श्रॉफ, मां-बेटी का दिखा ऐसा लुक

मुंबई। मायानगरी मुंबई में मॉनसून ने दस्तक दे दी है। ऐसे में लॉकडाउन के बाद कई स्टार्स इसका लुत्फ उठाते नजर आए। हाल ही में जैकी श्रॉफ भी अपनी पत्नी आयशा श्रॉफ और बेटी कृष्णा श्रॉफ के साथ बांद्रा की सड़कों पर स्पॉट हुईं। इस दौरान तीनों ने कोरोना से अपनी सेफ्टी का ध्यान रखा। इसके साथ ही मास्क लगाने के दो फायदे हो रहे हैं, जहां एक तरफ यह कोरोना से सुरक्षा करता है वहीं दूसरी तरफ स्टार्स आराम से सड़क पर निकल रहे हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान कृष्णा ब्लैक आउटफिट में दिखीं। इसके साथ उन्होंने ब्लू डेनिम जैकेट पेयर की थी। वहीं जैकी की पत्नी यानि आयशा भी इस दौरान कूल दिखीं। जैकी की बात करें तो वह व्हाइट कुर्ते में दिखे। इस दौरान आयशा और कृष्णा श्रॉफ कैमरे की तरफ हाथ हिलाती दिखीं। जैकी की फैमिली संग ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो जैकी इन दिनों फिल्मों से दूर हैं। वहीं उनकी बेटी कृष्णा अपनी तस्वीरों और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं।

बंगाली एक्टर अरुण गुहा ठाकुरता का निधन, कोरोना वायरस बना जान का दुश्मन

बॉलीवुड । बंगाली फिल्मों के एक्टर अरुण गुहा ठाकुरता का निधन हो गया। अरुण ने एम आर बांगुर अस्पताल में 7 जुलाई दो बजे के करीब अंतिम सांस ली। बता दें एक्टर का निधन कोरोना वायरस की वजह से हुआ है। अरुण गुहा का 6 जुलाई को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था और बाद में पास केएमआर बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां ज्यादा तबीयत बिगड़ने के बाद एक्टर दुनिया से चल बसे। एक्टर के निधन के बाद स्टार्स उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें अरुण गुहा न सिर्फ एक एक्टर ही थे बल्कि एक अच्छे छायाकार और तकनीशियन भी थे। अरुण ने अपने करियर के दौरान अपने शानदार काम से बंगाली सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी है। उन्हें सिनेमावाला और शुन्योटा जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता था।

झमाझम बारिश में गर्लफ्रेंड संग शॉपिंग पर निकले अर्जुन रामपाल

मुंबई। जब से देश में अनलॉक की हुआ है तब से स्टार्स ने भी घर से बाहर निकलना शुरु कर दिया। अनलॉक 2 देशभर में लागू कर दिया गया है। हाल ही में एक्टर अर्जुन रामपाल उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला को मुंबई में फूड हॉल के बाहर देखा गया। इस दौरान अर्जुन चेक शर्ट में दिख रहे हैं। वहीं गैब्रिएला व्हाइट शर्ट और ब्राउन पैंट में स्टाइलिश नजर आ रही हैं। इसके साथ ओपन हेयर्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। इस दौरान दोनों बारिश से बचते नजर आ रहे हैं। गैब्रिएला और अर्जुन की तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि अर्जुन इन दिनों गैब्रिएला के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंटड कर रहे हैं। कपल के घर साल 2019 में एक बेटे की किलकारी गूंजी है। जानकारी के लिए बता दें कि गैब्रिएला बिना शादी के अर्जुन के बच्चे की मां बनी हैं।

सुशांत सिंह राजपूत के बाद टीवी एक्टर सुनील गौड़ा ने फांसी लगाकर दी जान

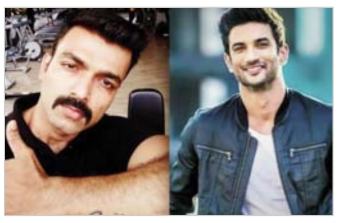

मुंबई। अभी लोग एक्टर सुशांत सिंह के निधन के गम से उभरे नहीं थे कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक और बुरी खबर सामने आ गई। हाल ही में कन्नड़ एक्टर सुशील गौड़ा ने अपने होमटाउन मंड्या (कर्नाटक) में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह अपने घर में मृत पाए गए। हांलाकि सुशील के सुसाइड करने की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक खुद को इंडस्ट्री में जमाने के लिए सुशील बेहद मेहनत कर रहे थे। लेकिन लॉकडाउन ने उनकी इस मेहनत पर भी ब्रेक लगा दिया था। सुशील के असामयिक निधन की खबर सुन पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सुशील गौड़ा की मौत की खबर से हैरान, दूनिया विजय ने फेसबुक पर लिखा –जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे लगा कि वह एक हीरो मैटेरियल है। फिल्म रिलीज होने से पहले ही उसने हमें बहुत जल्द छोड़ दिया है। जो भी समस्या हो सकती है। आत्महत्या का जवाब नहीं है। मुझे लगता है कि इस वर्ष मौतों की श्रृंखला समाप्त नहीं होगी। यह इसलिए नहीं है कि कोरोना वायरस से लोग डरते हैं, लोग विश्वास खो रहे हैं क्योंकि उनके पास नौकरी नहीं है जो उन्हें जीवन जीने के लिए पैसे दे सकती है। संकट को दूर करने के लिए मजबूत बने रहने के लिए यह जरूरी समय है।सुनील की को–स्टार अमिता रंगनाथ ने कहा– मुझे अपने दोस्त से खबर मिली। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि अब और नहीं है। वह इतने प्यारे और कोमल दिल के इंसान थे। यह जानकर बहुत दुख हुआ है। उन्होंने हमें इतनी जल्दी छोड़ दिया है। उनके पास मनोरंजन उद्योग में अधिक हासिल करने की प्रतिभा थी।काम की बात करें तो सुशील गौड़ा कन्नड़ टीवी सीरियल अंतपुरा से काफी पॉपुलर हुए थे। सुशील कन्नड़ फिल्म सलगा में भी नजर आने वाले थे। इस फिल्म में वो पुलिस का रोल निभा रहे थे लेकिन अफसोस इससे पहले ही उन्होंने मौत को गले लगा लिया। वह एक एक्टर होने के साथ–साथ फिटनेस ट्रेनर भी थे।

सुसाइड मामले पर रवीना टंडन यहां लोग गंदा खेल खेलते हैं

बॉलीवुड ।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद लोगों को बॉलीवुड इंडस्ट्री पर गुस्सा फूटा हुआ है और वे लगातार सुशांत के न्याय के लिए सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। आए दिन सुशांत सिंह सुसाइड में कोई न कोई चौंकाने वाला खुलासा होता है। इस मामले को लेकर किसी न किसी स्टार सोशल मीडिया डिजीटली वॉर देखने को मिलती है। अब ऐसी बातें सुन–सुन कर रवीना टंडन ऊब गई हैं और उन्होंने इसे सनसनीखेज बनाने से रोकने के लिए किसी को दोषी न ठहराने की बात कही है। हाल ही में रवीना ने एक इंटरव्यू में बातचीत में कहा, 卐अब इसे सनसनीखेज बनाना बंद कीजिए। आप यूं ही किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते। फिल्म इंडस्ट्री को भी नहीं। यह मारा–मारी, लिंच मॉब बन चुका है, जो कि गलत है। लोगों को तर्क संगत सोचना होगा। यह उस इंसान के लिए बहुत बड़ा काम होगा, जो दुनिया से जा चुका है। ये एक गुजर चुके लड़के के लिए अपमान करने जैसा है। रवीना ने बॉलीवुड में पॉलिटि्कस की बात पर कहा, हां माना कि यहां पॉलिटिक्स है, कुछ लोग अच्छे हैं तो कुछ बुरे भी हैं। यह बातें मैंने अपने ट्वीट में भी लिखी थी। यहां का पॉलिटिक्स बिलकुल क्लासरूम जैसा है। ये लोग गंदा खेल खेलते हैं। ऐसे लोग हर कहीं होते हैं, लेकिन ये फील्ड एक ग्लैमरस जॉब है और कॉम्पिटिशन जबरदस्त है, इसलिए यह जल्द ही सामने आ जाता है। एक्ट्रेस ने सुशांत सिंह के बारे में बात करते हुए कहा कि ये एक कड़वा सच है जो कि हर स्टार के साथ है। जो डर सुशांत को था वही डर टॉप स्टार्स से लेकर टॉप प्रड्यूसर, डायरेक्टर्स के भाई और बेटे को भी सताता रहता है। अगर ऐसा नहीं होता तो हर किड स्टार आज सुपरस्टार न होता। रवीना बॉलीवुड में कैम्पबाजी और मीन गर्ल गैंग की मौजूदगी से इनकार नहीं करतीं। इसको लेकर एक्ट्रेस ने ट्वीट करते हुए कहा, मैं इस बात से सहमत हूं कि यहां राजनीति है और यह भी मानती हूं कि खराब लोग भी हैं। यह मैंने अपने ट्वीट में भी लिखा था। यहां ऐसे घटिया लोग हैं, जो आपकी असफलता के लिए प्लानिंग करते हैं। सफलता के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मैं इससे गुजरी हूं।

सालगिरह के मौके पर मीरा ने याद किए शाहिद संग बिताए 5 साल, पत्नी हमेशा सही होती है कहकर खींची पति की टांग

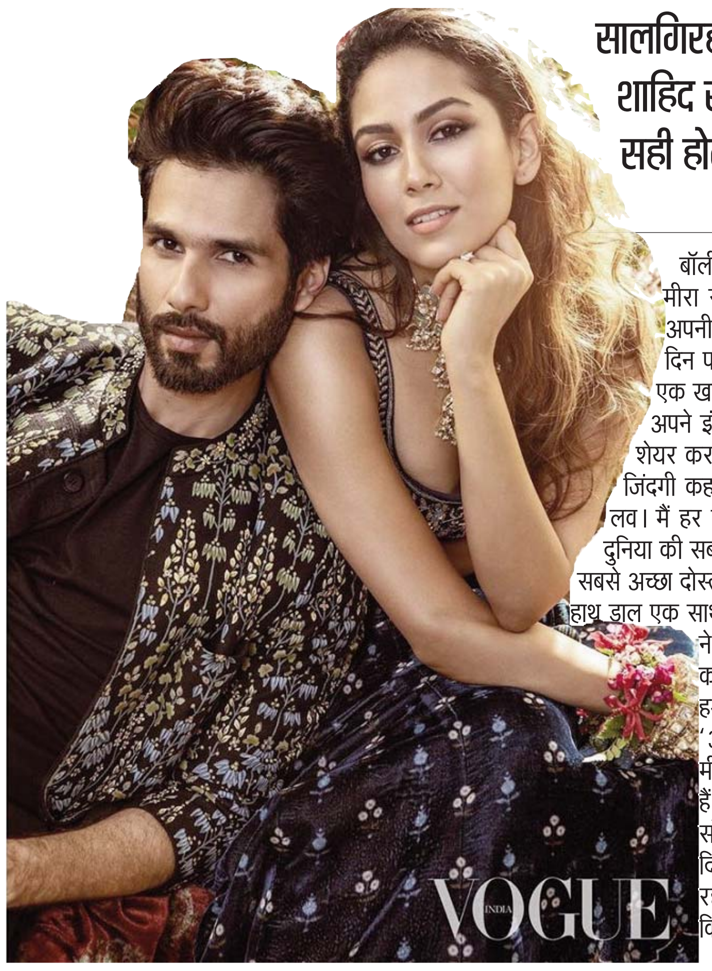

मुंबई।

बॉलीवुड के लविंग कपल्स में से एक शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की आज सालगिरह है। 7 जुलाई को कपल अपनी 5वी मैरिज एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रहा है। इस खास दिन पर मीरा राजपूत ने शाहिद के लिए सोशल मीडिया पर एक खास नोट लिखा है, जो खूब वायरल हो रहा है। मीरा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और शाहिद की खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आपके अलावा, मैं इस रास्ते पर जिसे जिंदगी कहा जाता है किसी और के साथ नहीं होना चाहूंगी माई लव। मैं हर नए दिन आपके साथ प्यार में पडती जाती हूं और मैं दुनिया की सबसे लक्की गर्ल हूं मुझे जीवन में सबसे ज्यादा प्यार और सबसे अच्छा दोस्त मिला। मेरे सब कुछ मेरी ताकत और हमेशा हाथ में हाथ डाल एक साथ चलने के लिए के लिए धन्यवाद। आई लव यू। मीरा ने आगे लिखा, आप जैसे मुझे हंसाता है ऐसे कोई नहीं कर सकता और हां.. ये कभी मत भूलना कि पत्नी हमेशा सही होती है और वो गोल्डन वर्ड्स हमेशा रखना, 'आई एम सॉरी'। आपको बता दें कि शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की शादी को आज पूरे पांच साल हो गए हैं। उनके दो बच्चे बेटी मिशा और बेटा जैन है। मीरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन मीरा अपनी और फैमिली की तसवीरें पोस्ट करती रहती हैं। वहीं शाहिद कपूर फिल्मों में अपने दमदार किरदार के लिए जाने जाते हैं।

बॉलीवुड पर बोले अन्नू कपूर, -यहां फेयर प्ले की उम्मीद करना मूर्खों के स्वर्ग में रहने जैसा

मुंबई।

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, पक्षपात और कैंप चलाने जैसे कई मुद्दे उठ रहे हैं। इंडस्ट्री के कई स्टार्स इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इतना ही नहीं ने अपनी आपबीती शेयर की। अब इस मामलें में दिग्गज एक्टर अन्नू कपूर ने भी अपने विचार शेयर किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री में हो रहे पक्षपात को भी कबूला है। अन्नू कपूर ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा– पक्षपात, हिपोक्रेसी और भ्रष्टाचार हमेशा से ही भारतीय समाज का अहम हिस्सा रहा है। फिल्म इंडस्ट्री भी इस समाज की ही उपज है तो इसीलिए ये सब यहां भी है। इस इंडस्ट्री से सही और फेयर प्ले की उम्मीद करना मूर्खों के स्वर्ग में रहने जैसा है। उनके पास पैसा और पॉवर है तो या आप उनके इशारों में नाचते हैं या नहीं, कोई बहस नहीं है, कोई तर्क नहीं है। हालांकि नेपोटिज्म के मुद्दे पर अपनी राय देते हुए अन्नू कपूर ने कहा–अगर एक आर्किटेक्ट या डॉक्टर का बेटा एक आर्किटेक्ट या डॉक्टर बन सकता है, लेकिन अगर कोई फिल्म स्टार अपने बेटे–बेटी को इंडस्ट्री में लॉन्च करता है, तो भाई–भतीजावाद क्यों होता है? उन्होंने कहा कोई भी माता–पिता का कर्तव्य होता है कि वह अपने बच्चों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करें। भाई–भतीजावाद क्यों होता है? उन्होंने कहा कोई भी माता–पिता का कर्तव्य होता है कि वह अपने बच्चों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करें। भाई–भतीजावाद क्यों होता है? उन्होंने कहा कोई भी माता–पिता का कर्तव्य होता है कि वह अपने बच्चों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करें। गलत कैसे हो सकता है। अन्नू ने कहा कि अगर भाई–भतीजावाद वास्तव में काम करता है तो वासु भगनानी के बेटे, हैरी बावेजा के बेटे, सनी देओल के बेटे या अमिताभ बच्चन के बेटे भी टॉम क्रूज स्टार की तरह होते, लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह तथ्यात्मक नहीं है। अन्नू कपूर ने कह दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, अक्षय कुमार सहित अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान का इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं रहा है, फिर भी वे कामयाबी हासिल की। काम की बात करें तो अन्नू कपूर जल्द ही एक्टर विद्युत जामवाल की फिल्म खुदा हाफिज में नजर आने वाले हैं। फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

सुशांत की मौत के बाद मिली नफरत से टूट गए हैं करण जौहर

मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के दुनिया क अलविदा कहे करीब 1महीना हौन जा रहा है। सुशांत के सुसाइड के बाद से ही में नेपोटिज्म और गुटबाजी को लेकर बहस छिड़ गई है। सुशांत के फैंस सोशल मीडिया पर नेपोटिज्म को लेकर स्टार किड्स समेत फिल्ममेकर करण जौहर को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लगातार हो रही ट्रोलिंग से करण बुरी तरह टूट गए हैं। इस बात का खुलासा करण के करीबी दोस्त ने किया। उन्होंने यो भी बताया कि करण अक्सर रोते रहते हैं। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में करण जौहर के करीबी दोस्त ने बताया कि करण पूरी तरह टूट गए हैं। करण कई सालों से ट्रोल होते रहे हैं और उन्हें लगने लगा था कि उनकी चमड़ी मोटी हो गई है। मगर सुशांत की मौत के बाद जिस तरह उन्हें नफरत का सामना करना पड़ा, उसे देखकर वह बुरी तरह से टूट गए हैं। इसके साथ ही करीबी ने बताया करण से जुड़े सारे लोगों को ट्रोल किया जा रहा है और इसके लिए भी वह खुद को कसूरवार मान रहे हैं। उनके 3 साल के जुड़वा बच्चों को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। करीबी ने कहा अनन्या पांडे जैसे लोगों को भी ट्रोल किया जा रहा है, जिनका सुशांत से कोई कनेक्शन नहीं था। दोस्त ने आगे बताया करण फिलहाल बात करने की स्थिति में नहीं हैं। ये लड़ाई उनके हाथ से बाहर चली गई है। वह किस्मत के मारे इंसान की तरह लगते हैं। अभी करण से बात करना अच्छा अनुभव नहीं होता है। जब भी करण को कॉल करो तो वह फूटकर रोने लगते हैं। वह रोते हुए यही सवाल करते हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या किया जिसकी वजह से ये सब झेलना पड़ रहा है। वह किस्मत के मारे इंसान की तरह लगते हैं। वह किस्मत के मारे इंसान की तरह लगते हैं। अभी करण से बात करना अच्छा अनुभव नहीं होता है। जब भी करण को कॉल करो तो वह फूटकर रोने लगते हैं। वह रोते हुए यही सवाल करते हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या किया जिसकी वजह से ये सब झेलना पड़ रहा है। बता दें कि सुशांत की मौत के बाद करण ने दोनों की तस्वीरे शेयर करते हुए एक भावुक पोस्ट लिखा था। पोस् ट में करण ने सुशांत से संपर्क न रख पाने को लेकर दुख जताया था।

भाबीजी घर पर हैं के सेट पर भी कोरोना ने दी दस्तक, सौम्या टंडन का हेयर ड्रेसर निकला पॉजिटिव

मुंबई।

देश के अनलॉक होने के कई टीवी सीरियल्स की शूटिंग एकबार फिर से शुरू हो चुकी है। स्टार्स पूरी सुरक्षा के साथ अपने–अपने शूटिंग सेट पर पहुंच रहे हैं और बचे हुए एपिसोड्स की शूटिंग पूरी कर रहे हैं। इतना नहीं, प्रोडक्शन हाउस और मेकर्स भी कोरोना वायरस महामारी से सेफ्टी के लिए एहतियात बरत रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद भी कई टीवी सीरियल्स के सेट पर कोरोना पॉजिटिव केस पाए गए हैं।हाल ही में टीवी सीरियल एक महानायक– डॉक्टर बीआर अंबेडकर और मेरे सांईं के सेट से कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए थे। जहां एक महानायक– डॉक्टर बीआर के सेट से एक्टर जगन्नाथ निवंगुणे को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया। वहीं मेरे सांईं के सेट पर एक क्रू मेंबर कोरोना संक्रमित पाया है।हीं अब टीवी शो भाबीजी घर पर हैं के सेट से कोरोना वायरस का पॉजिटिव केस पाया गया है।

ताजा जानकारी के मुताबिक टीवी शो भाबीजी घर पर हैं के सेट पर एक हेयर ड्रेसर को कोरोना पॉजिटिव पाया है। ये हेयर ड्रेसर अनीता भाभी यानि एक्ट्रेस सौम्या टंडन का है। वहीं अब टीवी शो भाबीजी घर पर हैं के सेट से कोरोना वायरस का पॉजिटिव केस पाया गया है।

ताजा जानकारी के मुताबिक टीवी शो भाबीजी घर पर हैं के सेट पर एक हेयर ड्रेसर को कोरोना पॉजिटिव पाया है। ये हेयर ड्रेसर अनीता भाभी यानि एक्ट्रेस सौम्या टंडन का है। संक्रमित को तुरंत ही उसे क्वारंटाइन कर दिया गया है और इलाज शुरू हो गया है।इसी के साथ सौम्या टंडन से भी कुछ दिन शूटिंग ना करने के लिए कहा गया है। फिलहाल इस सेट से और कोई केस सामने नहीं आया है। सोर्सेज का कहना है कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम के मद्देनजर शूटिंग को फिलहाल नहीं रोका गया है।

सार समाचार

व्यक्ति में आत्मविश्वास आने पर वह हर कदम पर विजयी होगा : कलराज मिश्र

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिक्षा ने यदि किसी व्यक्ति के आत्मविश्वास को जगा दिया तो उस व्यक्ति को जीवन में हर कदम पर जीत मिलेगी। मिश्र बृहस्पतिवार को वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश' विषय पर कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा कि युवा पीढी को राष्ट्र के विकास के लिए तैयार करना है और इसके लिए युवाओं को मानवीय मूल्यों की शिक्षा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा, '' मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने से ही व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा होता है और आत्मविश्वास ही कोविड-19 जैसी महामारी को मात दे सकता है।

बिहार के मोतिहारी में नहाने के दौरान पांच लड़कों की डूब कर मौत

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिला के चकिया नगर पंचायत अंतर्गत फुलवरिया गांव में पांच लड़कों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार की शाम एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार के बाद जलाशय में नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले जाने से पांच लड़कों की डूबने से मौत हो गई। चकिया के पुलिस उपाधीक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि डूबने से परवेश कुमार (12), दीपक कुमार (18), आशिक कुमार (12), विशाल कुमार (12) एवं रवि कुमार (16) की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम के सहयोग से स्थानीय पुलिस ने सभी शवों को बृहस्पतिवार को निकाल लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित सदर अस्पताल भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश में सक्रिय हुआ मानसून, कुछ इलाकों में हुई झमाझम बारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून सक्रिय है और पिछले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश हुई। आंचलिक मौसम केन्द्र की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। कहीं-कहीं भारी बारिश भी हुई। इस अवधि में बिंदकी (फतेहपुर) में सबसे ज्यादा 10 सेंटीमीटर बारिश रेकॉर्ड की गयी। इसके अलावा कालपी (जालौन) में नौ, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद) में आठ, कानपुर, हाथरस और उरई (जालौन) में छह-छह सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गयी। अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्सों में ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने का पूर्वानुमान किया गया है। वहीं, पश्चिमी हिस्से में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

शुक्रवार से सोमवार तक बंद रहेगा कलकत्ता उच्च न्यायालय, तीन इमारतों को पूरी तरह किया जाएगा सैनेटाइज

कोलकाता। शहर के निरुद्ध क्षेत्रों में फिर से लॉकडाउन लगाए जाने तथा अदालत की इमारतों को सैनेटाइज करने के चलते कलकत्ता उच्च न्यायालय शुक्रवार से सोमवार तक बंद रहेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय की रजिस्ट्रार जनरल ने यह जानकारी दी। रजिस्ट्रार जनरल राय चट्टोपाध्याय ने बृहस्पतिवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि शहर में अनेक स्थानों को निरुद्ध क्षेत्र घोषित किए जाने और लॉकडाउन के नए चरण को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायिक और प्रशासनिक कार्यों को 10 से 13 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में उच्च न्यायालय की तीन इमारतों को पूरी तरह से सैनेटाइज किया जाएगा। गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण ढाई महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद उच्च न्यायालय में अदालत कक्ष 11 जून से कामकाज शुरू हुआ था। पश्चिम बंगाल सरकार ने संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद लॉकडाउन वाले क्षेत्रों को बढ़ाने और नौ जुलाई पांच बजे से पाबंदियों को और कड़ा करने का मंगलवार को निर्णय किया था।

सरकार ने दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन का प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ाने का लिया फैसला

नयी दिल्ली। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन करके छोटी आर्थिक गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के अपने प्रस्ताव पर आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने पिछले महीने चेक बाउंस और कर्ज वापसी में चूक आदि सहित 19 कानूनों के तहत छोटी गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रस्ताव रखा था। इसी के अनुरुप, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने पिछले सप्ताह अपनी वेबसाइट पर दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन का एक प्रस्ताव अपलोड कर उस पर 10 जुलाई तक प्रतिक्रिया मांगी थी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि सलाह-मश्विरे की प्रक्रिया के दौरान उसे विभिन्न पक्षों से प्रतिक्रिया मिली कि दिव्यांगजन अधिकार कानून, 2016 के प्रावधान दिव्यांगजनों की सुरक्षा और कानून को लागू करने के लिए पर्याप्त हैं। विभाग ने बयान में कहा कि सभी का मानना है कि इन गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना दिव्यांगजन के अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए बने कानून की आत्मा के साथ छेड़छाड़ करने जैसा होगा। विभाग ने कहा कि इसलिए तय किया गया है कि दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन के प्रस्ताव पर सलाह-मश्विरे की प्रक्रिया को बंद करने के लिए पर्याप्त आधार हैं, और इसे बंद किया जाता है।

उज्जैन में विकास दुबे की गिरफ्तारी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा : अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि कानपुर के बिकरू गांव में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी विकास दुबे की उज्जैन में जिस तरह गिरफ्तारी दिखाई गई है, वह निश्चित ही किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि चार राज्यों की सीमाएं पार कर, लॉकडाउन के समय की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर कुख्यात अपराधी छह दिनों तक पुलिस की आंखों में धूल झोंकता रहा इसके पीछे माफिया, पुलिस और सत्ता का गठजोड़ भी रहा होगा। इसलिए उसके मोबाइल की कॉल डिटेल रिपोर्ट (सी.डी.आर.) सार्वजनिक की जानी चाहिए ताकि सबकी मिलीभगत का भंडाफोड़ हो सके।

यादव ने आरोप लगाया कि कानपुर की घटना ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का चोला भी उतार दिया है और मुखौटा भी। इस घटना ने पुलिस बल के खुफिया तंत्र की भी पोल खोल दी है। एक बड़ी नृशंस घटना के पहले और बाद में आरोपी को जिस तरह सहयोग मिला, वह जाहिर करता है कि व्यवस्था में कितनी सडांध पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि बिकरू काण्ड के कातिल और उसके सहयोगियों की पिछले पांच वर्ष की सी.डी.आर. सरकार जारी कर देगी तो सच्चाई सामने आ जाएगी कि किस-किस नेता, अफसर से सम्पर्क थे।

उन्होंने सवाल किया कि किसके दबाव में पुलिस बिना तैयारी दबिश डालने रात में पहुंच गई थी। उन्होंने कहा कि कई बातें छुपाई जा रही हैं और उनका खुलासा होना चाहिए। यादव ने कहा कि जहां तक समाजवादी पार्टी का सम्बंध है उसका इस घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के अभियान में लगी रहती है क्योंकि उसे मालूम है कि उत्तर प्रदेश में उसकी सत्ता को असल चुनौती समाजवादी पार्टी से ही मिलती है।

ब्रिटेन में नीरव मोदी को झटका, न्यायिक हिरासत छह अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

लंदन। पीएनबी धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की ब्रिटेन में न्यायिक हिरासत छह अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। मोदी पर यहां भारत को प्रत्यर्पण किए जाने के मामले की सुनवाई चल रही है। उल्लेखनीय है कि मोदी ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ करीब दो अरब डॉलर की धोखाधड़ी को अंजाम दिया। इसे लेकर भारत में विभिन्न जांच एजेंसियों ने उनके खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। इस मामले में मोदी के सहयोगी मेहुल चौकसी भी भारत में वांछित हैं।

मोदी बृहस्पतिवार को ब्रिटेन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में प्रत्यर्पण मामले की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के लिए पेश हुए। पिछले साल मार्च में गिरफ्तार होने के बाद वह लंदन की वाड्सवर्थ जेल में कैद हैं। मुख्य मजिस्ट्रेट एमा आर्बथनॉट ने नियमित 28 दिन में होने वाली इस सुनवाई के दौरान मोदी को सूचित किया कि उनकी अगली सुनवाई छह अगस्त को होगी। मोदी के प्रत्यर्पण मामले में दूसरे दौर की सुनवाई सितंबर से शुरू होनी है। इस मामले में पहले चरण की चार दिन की सुनवाई जिला न्यायाधीश सैमुअल गूज की अध्यक्षता में मई में हुई। बाद में लॉकडाउन के चलते उनकी दूसरे दौर की पांच दिन की सुनवाई सात सितंबर से होना तय किया गया।

प्लाज्मा डोनेट कर बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया, कोरोना से लड़ने का दायित्व सिर्फ सरकार का नहीं हम सबका भी है

भोपाल। कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर जारी प्रयासों के बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद के लिए सामने आए हैं। इसके लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को प्लाज्मा डोनेट कर अन्य संक्रमितों के इलाज में मदद करने की पहल की। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक अस्पताल में प्लाज्मा डोनेट किया।

इस दौरान राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि कोरोना महामारी के इस दौर में अपनी सेहत और जान की सुरक्षा करना सभी की प्राथमिकता है। इसका दायित्व सिर्फ सरकार का नहीं हम सब का भी है। सिंधिया ने कहा कि जो लोग इस महामारी से लड़कर ठीक हो चुके हैं, वो इस बीमारी से जूझ रहे लोगों की जान बचाने में मदद कर सकते हैं। जिस संक्रमण का सामना कर मैं और मेरे जैसे हजारों अन्य नागरिक जो स्वस्थ हो चुके हैं, उन्हें अपना प्लाज्मा डोनेट कर अन्य संक्रमितों के इलाज में मदद करनी चाहिये। प्लाज्मा डोनेट करने के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के अन्य लोगों से भी इस तरह से आगे आकर कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद का आग्रह किया।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के खिलाफ मुहिम में नागरिकों की हो भागीदारी : मुख्यमंत्री

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 के खिलाफ मुहिम में सभी शहरों को नागरिकों की भागीदारी के साथ 'कोरोना सतर्कता समिति' बनाना चाहिए और जमीनी हालात की निगरानी के लिए स्थानीय प्रशासन की मदद करनी चाहिए। ठाणे जिले में विभिन्न नगर निकायों के आयुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि जिले में कोविड-19 से मुकाबले के लिए व्यापक इंतजाम को लेकर लगातार निर्देशों के बावजूद स्थानीय प्रशासन अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं पाया। मुंबई से लगे ठाणे जिले में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा, ''नागरिकों की भागीदारी के बिना सरकार कोविड-19 के खिलाफ अकेले जंग नहीं लड़ सकती। आजादी के आंदोलन के दौरान आजादी पाने के संकल्प को तब बढ़ावा मिला जब इसमें लोग शामिल हुए। हाल में लोगों ने खुद चीन के सामानों का बहिष्कार कर संदेश देने का काम किया।'' उन्होंने कहा कि निकाय प्रशासन को कोविड-19 के खिलाफ जंग में नागरिकों को शामिल करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''शहरों में कोरोना सतर्कता समिति गठित की जानी चाहिए। इस मुहिम में नागरिक, समाज सेवा संगठनों, युवाओं को शामिल करें। '' उन्होंने कहा, ''वरिष्ठ नागरिकों की बीमारियों, उनके ऑक्सीजन स्तर, क्षेत्र में साफ-सफाई, आस-पड़ोस में लोगों की बीमारियां, मास्क लोग लगा रहे हैं या नहीं, इन सब चीजों पर वे नजर रखेंगे।'' ठाकरे ने कहा कि जमीनी हालात की निगरानी में समितियां स्थानीय प्रशासन की मदद कर सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 से मुकाबले के लिए ठाणे में बृहत स्वास्थ्य केंद्र बनाने को लेकर लगातार निर्देश दिए गए लेकिन स्थानीय प्रशासन ने अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं किया। उन्होंने कहा ''सरकार ने मार्च से ही बृहत कोविड देखभाल केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। मुंबई में जिस तरह का स्वास्थ्य ढांचा तैयार किया गया उसी तरह मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी यही सुविधा तैयार करने की जरूरत थी। '' उन्होंने निगम आयुक्तों को महामारी और सुरक्षा को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के पालन पर नजर रखने को कहा। ठाणे जिले में बुधवार तक कोविड-19 के 47,063 मामले आए और संक्रमण से 1404 लोगों की मौत हो चुकी है।

कुख्यात अपराधी विकास दुबे की गिरफ्तारी की सीबीआई जाँच हो : कांग्रेस

लखनऊ। कांग्रेस ने कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी विकास दुबे की बृहस्पतिवार को उज्जैन में हुई गिरफ्तारी को बनावटी करार देते हुए इसकी सीबीआई जांच कराये जाने की मांग की है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने यहां एक बयान में कहा, ''दुबे की गिरफ्तारी जिन हालात में की गयी, वे उसके बनावटी और पूर्व निर्धारित होने की तरफ इशारा करते हैं। ऐसा लगता है कि यह सब उसे बचाने की सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है। यह गम्भीर मामला है, लिहाजा इस घटना की सीबीआई जांच करायी जानी चाहिये।'' उन्होंने कहा, '' जब सूबे की सभी सीमाएं सील थीं और बड़ी तादाद में सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की टीमें लगी थीं, तो दुबे उज्जैन कैसे पहुंच गया? यह भी बात सामने आई है कि उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में तैनात पुलिसकर्मियों का अचानक तबादला हुआ है। यह क्यों और कैसे हुआ, इसकी जांच होनी चाहिये।''

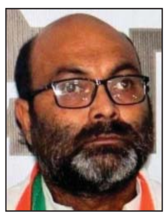

लल्लू ने कहा कि विकास दुबे के 'मोबाइल लोकेशन' की स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिये। गौरतलब है कि गत दो-तीन जुलाई की रात कानपुर के बिकरू गांव में पुलिस दल पर हमला कर उनमें से आठ की हत्या कर दिये जाने के मामले में मुख्य आरोपी एवं कुख्यात अपराधी विकास दुबे को वारदात के छह दिन बाद मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर परिसर से गिरफ्तार कर लिया गया।

आठ राज्यों में हैं कोरोना वायरस के 90 फीसदी इलाजरत मरीज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में कोविड-19 के कुल इलाजरत मरीजों में से लगभग 90 प्रतिशत मरीज महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक और तेलंगाना सहित आठ राज्यों में हैं और ऐसे 80 प्रतिशत मरीज देश के महज 49 जिलों में हैं। इसके बारे में कोविड-19 पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) को बृहस्पतिवार को जानकारी दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, मंत्री समूह को बताया गया कि देशभर में कोविड-19 के कारण हुई मौतों में से 86 प्रतिशत मौतें छह राज्यों- महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। देश में 80 प्रतिशत मौतें 32 जिलों में हुई हैं। मंत्रालय ने बताया कि बृहस्पतिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की अध्यक्षता में मंत्री समूह की 18वीं बैठक हुई, जिसमें उसे बताया गया कि उच्च मृत्यु दर वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति के बारे में मंत्री समूह को जानकारी दी गई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पांच सबसे अधिक प्रभावित देशों के बीच एक वैश्विक तुलना में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि भारत में प्रति दस लाख आबादी पर संक्रमण के सबसे कम मामले हैं। भारत में प्रति दस लाख आबादी में संक्रमण के 538 मामले हैं और 15 मौतें हुई हैं, जबकि इसका वैश्विक औसत क्रमश: 1,453 और 68.7 है।''

देश में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मामलों के लगभग 90 प्रतिशत मामले आठ राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात में हैं। भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य सेवाएं संबंधी बुनियादी ढाँचा के बारे में, जीओएम को सूचित किया गया कि देश भर में कोविड-19 के इलाज के लिए 3,914 अस्पताल हैं, जिनमें 3,77,737 पृथक-वास बिस्तर (आईसीयू सुविधा के बिना), 39,820 आईसीयू बिस्तर, 1,42,415 ऑक्सीजन सुविधा वाले बेड और 20,047 वेंटिलेटर मौजूद हैं। जीओएम को बताया गया कि 21.3 करोड़ से अधिक एन95 मास्क, 1.2 करोड़ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और 6.12 करोड़ हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की गोलियां अब तक वितरित की जा चुकी हैं। बैठक में हर्षवर्धन ने कहा, ''जैसा कि हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान रोकथाम के सख्त उपाय और निगरानी तंत्र के माध्यम से कोविड-19 के बेहतर प्रबंधन पर है।

दिल्ली में कोरोना की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में हाल के दिनों में कोविड-19 की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जहां लोगों के स्वस्थ होने की दर 72 प्रतिशत से अधिक हो गई है तथा संक्रमण के मामलों के दुगना होने की अवधि 30 दिन पर पहुंच गई है।

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आठ जुलाई तक 6.79 लाख से अधिक जांच, प्रति 10 लाख आबादी पर 35,780 जांच की गई है और हर रोज 20 हजार से अधिक जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, ''प्रतिदिन जांच क्षमता में वृद्धि के बावजूद दिल्ली में उपचाराधीन मरीजों की संख्या नियंत्रण में है।'' श्रीवास्तव ने कहा कि बृहस्पतिवार तक के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 23,452 है।

सरकार का दावा, अभी सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में नहीं पहुंचा है भारत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी के बीच सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत कोविड-19 के सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में अभी नहीं पहुंचा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में ओएसडी राजेश भूषण से जब यह पूछा गया कि क्या भारत सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में पहुंच गया है, तो उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य मंत्रालय (हषवर्धन) ने जीओएम के बाद आज भी स्पष्ट किया कि भारत अब भी सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में नहीं पहुंचा है। कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर संक्रमण फैला है।'' उन्होंने कहा, ''हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश के केवल 49 जिलों में कोरोना वायरस संक्रमण के 80 प्रतिशत मामले हैं। यदि 733 से अधिक जिलों वाले देश के49 जिलों में 80 प्रतिशत मामले सामने आए हैं, तो सामुदायिक स्तर पर संक्रमण फैलने की बात करना सही नहीं है।''

भूषण ने कहा कि यदि कोई संक्रमित व्यक्ति पाया जाता है, तो निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत उसके संपर्क में आए लोगों का तीन दिन में पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत, प्रति 10 लाख लोगों में कोविड-19 संक्रमण के मामले और मौत की संख्या की सबसे कम दर वाले देशों में शामिल है। आईसीएमआर के एक अधिकारी ने बताया भारत में औसतन प्रतिदिन 2.6 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा रही है। देश में जांच की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। भूषण ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए लोगों की संख्या उपचाराधीन संक्रमित लोगों की संख्या से 1.75 गुणा अधिक है। उन्होंने बताया कि भारत में कोविड-19 के कारण मारे गए 53 प्रतिशत लोगों की आयु 60 साल से अधिक है।

डब्ल्यूएचओ के एक प्रवक्ता के, वायरस के हवा में फैलने के संकेत मिलने संबंधी बयान के बारे में पूछे जाने पर भूषण ने कहा, ''हम विशेष रूप से इस पहलू पर डब्ल्यूएचओ मुख्यालय से मिल रही सूचना पर नजर रख रहे हैं, लेकिन आप इस बात की सराहना करेंगे और इस बात पर गौर करेंगे कि संक्रमण के शुरुआती दौर में भी हमने और प्रधानमंत्री ने 'दो गज दूरी' पर जोर दिया था।'' उन्होंने कहा, ''इससे हवा में लंबे समय तक रहने वाली छोटी बूंदों के संपर्क में आने से बचाव होता है।''

आत्मनिर्भर भारत अभियान आधुनिक भारत की पहचान का परिचायक : त्रिवेन्द्र सिंह

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान कोविड-19 से उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने के साथ ही आधुनिक भारत की पहचान का भी परिचायक है। रावत ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा किए जाने के केवल डेढ़ माह की अवधि में ही इसके सकारात्मक प्रभाव दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल एंड मेक इट ग्लोबल' के आह्वान को सभी देशवासियों का समर्थन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र को कई तरह की रियायतें से मजबूती प्रदान की गई है और साथ ही गरीबों, किसानों और श्रमिकों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

रावत ने कहा कि कोविड-19 की परिस्थितियों में गरीबों, किसानों और मजदूरों की सहायता करने के लिए प्रधानमंत्री ने 1.70 लाख करोड़ रुपये की घोषणा की जिसके तहत प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि की तीन माह की अग्रिम राशि किसानों के खातों में जमा की गई। महिला जन-धन खाताधारकों के खाते में 500-500 रुपये की तीन किस्त जमा की गईं, उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को तीन गैस सिलेंडर मुफ्त दिए गए और दिव्यांगों, विधवाओं और बुजुर्गों को भी एक-एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में देश के 80 करोड़ लोगों को राहत देने के लिए तीन महीने यानी अप्रैल, मई और जून में निःशुल्क खाद्यान्न दिया गया। अब इस योजना को नवंबर तक बढ़ा दिया गया है जिसमें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम गेहूं या चावल और प्रति परिवार एक किलोग्राम चना निःशुल्क मिलेगा। इस योजना पर लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार ने 40 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया है जिसके तहत उत्तराखण्ड में भी मनरेगा के तहत 36 हजार नए लोगों को काम उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि छह राज्यों के 116 जिलों में प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिए गरीब कल्याण रोजगार योजना शुरू की गई है।

इसके अलावा, किसानों के हित में अनेक सुधार किए गए हैं जिसमें किसानों को फसल पर लागत मूल्य का कम से कम डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का निर्णय लिया गया। केंद्र सरकार ने 14 खरीफ फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के प्रभाव से उबारने के लिए ढांचागत सुधार भी किए गए और रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' पर बल दिया गया। रावत ने कहा कि कोविड-19 की परिस्थितियों में सबसे अधिक सुधार स्वास्थ्य क्षेत्र में किया गया है। कोरोना संक्रमण की शुरुआत में देश में पीपीई किट का निर्माण नहीं होता था लेकिन अब देश में इसका इतनी अधिक मात्रा में उत्पादन किया जा रहा है कि इनका निर्यात भी किया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि वेंटिलेटर, एन-95 मास्क भी बड़े स्तर पर बनाए जा रहे हैं और इनके निर्माण में अनेक स्टार्टअप आगे आए हैं। चीन के विभिन्न मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगने के बाद स्वदेशी ऐप बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लौटे प्रवासियों और युवाओं के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना शुरू की गई है जिसमें 150 प्रकार के कार्यों को शामिल किया गया है।

कोरोना से दुनियाभर में 5.54 लाख मौतें, 1.22 करोड़ संक्रमित

बीजिंग।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है और अब तक इसकी चपेट में 1.22 करोड़ से अधिक लोग आ चुके हैं तथा इससे 5.54 लाख से ज्यादा की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,2232 745 हो गयी है जबकि 5,54304 लोगों ने जान गंवाई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 3114846 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,33,241 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 17,55,779 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 69,184 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 26,506 नये मामले सामने आये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,93802 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 475 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 21604 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 2,76685 सक्रिय मामले हैं और अब तक 4,95,513 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। रूस कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 6,99,749 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 10,650 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचवें नम्बर पर पहुंच गया है। यहां संक्रमितों की संख्या 3,16,448 हो गई तथा 11,314 लोगों की मौत हो चुकी है।

संक्रमण के मामले में चिली विश्व में छठे स्थान पर आ गया हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 3,06,216 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 6682 है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में सातवें नंबर पर आ गया है। यहां अब तक इस महामारी से 2,89,154 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,687 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। कोरोना संक्रमण के मामले में मेक्सिको स्पेन से आगे निकल कर आठवें स्थान पर आ गया है ।

कोरोना पर जल्द खत्म होगा सस्पेंस! चीन जाकर पूरी पड़ताल करेगा विश्व स्वास्थ्य संगठन

इंटरनेशनल डेस्क।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दो विशेषज्ञ कोविड-19 वैश्विक महामारी की उत्पत्ति का पता लगाने के एक बड़े अभियान के तहत जमीनी काम पूरा करने के लिए अगले दो दिन चीन की राजधानी बीजिंग में बिताएंगे। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि एक पशु स्वास्थ्य विशेषज्ञ और एक महामारी विज्ञानी अपनी यात्रा के दौरान भविष्य के अभियान के लिए काम करेंगे जिसका मकसद यह पता लगाना है कि यह विषाणु पशुओं से मनुष्यों तक कैसे फैला। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह विषाणु चमगादड़ों से पैदा हुआ और फिर कस्तूरी बिलाव या पैंगोलिन जैसे अन्य स्तनधारी प्राणियों में फैला और इसके बाद पिछले साल के अंत में चीनी शहर वुहान के खाद्य बाजार में लोगों तक फैला। भविष्य में महामारियों को फैलने से रोकने के लिए चीन ने वन्यजीवों के व्यापार पर कार्रवाई की और कुछ पशु बाजार बंद कर दिए। डब्ल्यूएचओ का अभियान राजनीतिक रूप से संवेदनशील है क्योंकि उसे सबसे अधिक वित्त पोषण देने वाले अमेरिका ने इस महामारी से निपटने में नाकामी और

चीन के प्रति पूर्वग्रह का आरोप लगाकर उसकी निधि में कटौती करने की धमकी दी है। मई में विश्व स्वास्थ्य महासभा में 120 से अधिक देशों ने विषाणु की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए जांच की मांग की थी। चीन ने जोर दिया था कि डब्ल्यूएचओ जांच का नेतृत्व करे और इसके लिए महामारी के नियंत्रण में आने तक का इंतजार करे।

कजाखिस्तान में है कोरोना वायरस से अधिक जानलेवा "अज्ञात निमोनिया"

बीजिंग।

चीन ने कजाखिस्तान में रहने वाले अपने नागरिकों को एक स्थानीय ''अज्ञात निमोनिया'' के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि यह कोरोना वायरस संक्रमण से ''कहीं अधिक'' जानलेवा है। कजाखिस्तान में चीन के दूतावास ने वीचैट प्लेटफॉर्म पर एक बयान जारी करके कहा कि ''कजाखिस्तान में अज्ञात निमोनिया से इस वर्ष के शुरुआती छह माह में1,772 लोगों की मौत हो गई है जिसमें अकेले 628 लोग जून माह में मारे गए हैं।'' इसमें कहा गया है कि मरने वालों में चीनी नागरिक भी शामिल हैं। सरकारी समाचारपत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने शुक्रवार को दूतावास के बयान के हवाले से कहा, ''कोविड-19 बीमारी की तुलना में इस बीमारी से बड़ी संख्या में मौत होने का खतरा है।'' दूतावास ने कहा, ''कजाखिस्तान के स्वास्थ्य विभाग समेत अनेक संगठन निमोनिया के इस वायरस के बारे में अध्ययन कर रहे हैं।'' इसमें कहीं इस बात का जिक्र नहीं है कि कहीं यह बीमारी कोविड-19से जुड़ी तो नहीं हैं। कुछ चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस निमोनिया को चीन में फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। कजाखिस्तान की सीमा चीन के उत्तर पश्चिम शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र से लगती है। दूतावास कजाखिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों को वायरस को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने के लिए जागरुक कर रहा है। रिपोर्ट में कजाखिस्तान के मीडिया में आई उस खबर का जिक्र किया गया है जिसमें कजाखिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि निमोनिया से बीमार होने वाले लोगों की संख्या कोविड-19 से बीमार हुए।

किम जोंग उन की बहन ने अमेरिका को दिखाए तेवर, कहा- नहीं करेंगे ट्रंप के साथ वार्ता

इंटरनेशनल डेस्क।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन ने शुक्रवार को कहा कि इस साल उन्हें उनके भाई के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के पास ट्रंप को हाई प्रोफाइल बैठकों का तोहफा देने की कोई वजह नहीं है जबकि उसे इसके बदले में कुछ भी ठोस नहीं मिल रहा है। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग के हवाले से उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में परमाणु कूटनीति को सक्रिय रखने के लिए अमेरिका द्वारा अहम छूट दिए जाने के वादे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साथ ही आपको नहीं पता कि कब क्या हो जाए। कोई भी हैरान करने वाली बात हो सकती है और यह दोनों शीर्ष नेताओं के फैसले पर निर्भर करता है। किम यो जोंग ने कहा कि

अगर शिखर वार्ता की जरूरत होती है तो यह अमेरिका की जरूरत है जबकि उत्तर कोरिया के लिए यह ''अव्यावहारिक है और इससे हमें कोई फायदा नहीं है। किम यो जोंग अपने भाई की विश्वासपात्र है और हाल फिलहाल में वह उत्तर कोरिया के मामलों में काफी सक्रिय रही हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोरिया मामले के अमेरिका का शीर्ष अधिकारी एशिया में है। उप विदेश मंत्री स्टीफन बीगन सियोल में दक्षिण कोरियाई अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद जापान गए हैं। सियोल में उन्होंने उत्तर कोरिया के एक वरिष्ठ परमाणु वार्ताकार पर पुरानी सोच पर अटके रहने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 5,000 के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 से 75 और लोगों की जान जाने के बाद देश में इस महामारी से मरने वालों की संख्या 5,000 के पार पहुंच गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के संक्रमण के 2,751 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 महामारी के मामले बढ़कर 2,43,599 हो गए । मंत्रालयों के आंकड़ों के अनुसार, सिंध में कोरोना वायरस के मामले 1,00,000 के पार पहुंच गए हैं। उसकी रिपोर्ट के अनुसार, वायरस से अभी तक 5,038 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं 1,49,092 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि 2,375 लोगों की हालत गंभीर है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक सर्वाधिक 1,00,900 मामले सिंध में सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 85,261 मामले, ख़ैबर पख़्तूनख़्वा में 29,406 मामले, इस्लामाबाद में 13,829 मामले, बलूचिस्तान में 11,099 मामले, गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,619 मामले और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 1,485 मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक देश में 15,14,858 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है, जिनमें से 23,255 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई है।

चीन को सता रहा बैंकों के भागने का डर, बड़ी नकदी निकासी पर लगाई रोक

बीजिंग।

चीन में कोरोना के दोबारा पैर पसारने की खबरों के बीच अब वहां पर बैंक और अर्थव्यवस्था को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। यहां पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बिना पूर्वानुमति के बड़ी मात्रा में नकदी निकालने पर रोक लगाने का फैसला किया है। कर्जदारों के ऋण के डूब जाने और बैंकों के भाग जाने के डर से अब चीन ने बैंकों से बड़ी राशि की निकासी पर रोक लगाने की घोषणा की है रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने बैंकों के भाग जाने के डर और कोरोनो महामारी के मद्देनजर गैर-निष्पादित संपत्तियों की बढ़ती संख्या के बीच नकदी निकासी पर अंकुश लगा दिया है। प्रतिबंधों को चीन के हुबेई प्रांत में एक पायलट परियोजना के रूप में लगाया गया है और बाद में अक्टूबर में दो और क्षेत्रों, झेजियांग और शेन्जेन में भी लागू किया जाएगा। इन तीनों प्रांतों के लगभग 70,00,000 लोग नकदी निकासी प्रतिबंधों के कारण प्रभावित होंगे। सरकारी एजेंसियों के अनुसार, स्थानीय सरकारों, पुलिस और बैंकों द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को बैंक से पैसा निकालने के लिए राजी करने में विफल रहने के बाद इन प्रतिबंधों की घोषणा की गई थी। समाचार एजेंसी ने बताया कि पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने कहा कि इस कदम से बड़ी मात्रा में नकदी की अनुचित मांगें बरकरार रहेंगी, जबकि नियामक यह सुनिश्चित करेगा कि बड़े लेनदेन के लिए लोगों की सामान्य जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए। इस दो वर्षीय परियोजना के तहत, व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए नकद निकासी पर सीमाएं लगाई गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,000-300,000 युआन और 500,000 युआन से अधिक की नकदी को वापस लेने वाले व्यक्तियों को पहले सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। कथित तौर पर यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि लोगों को यह डर सता रहा है कि बड़े कर्जों में डूबे बैंक उनकी जमापूंजी को लेकर भाग सकते हैं।

अमेरिकी कंपनी ब्रुक्स ब्रदर्स हुई दिवालिया, अब तक 40 राष्ट्रपति पहन चुके हैं इसके कपड़े

न्यूयॉर्क।

परिधान के मामले में अमेरिका के लगभग सभी राष्ट्रपति की पहली पसंद रही करीब 200 साल पुरानी परिधान कंपनी ब्रूक्स ब्रदर्स ने बुधवार को दिवालिया संरक्षण का आवेदन दायर कर दिया। कोरोना वायरस महामारी का शिकार होने वाली कंपनियों में इस तरह एक और बड़ा नाम जुड़ गया। ब्रूक्स ब्रदर्स की स्थापना न्यूयॉर्क में 1818 में हुई थी। कंपनी ने दो विश्वयुद्ध, महान आर्थिक मंदी और राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा पहनावे के मानक को ढीला किए जाने जैसी चुनौतियों को सफलता पूर्वक झेला है। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न संकट के समक्ष वह टिकी नहीं रह सकी। कंपनी ने दिवालियापन संरक्षण के अध्याय 11 के तहत आवेदन दायर किया है। कंपनी अपने 200 स्टोर में से 25 प्रतिशत से अधिक को हमेशा के लिए बंद करने वाली है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण खुदरा क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इससे पहले प्रतिस्पर्धी कंपनी बार्नीज न्यूयॉर्क भी दिवालियापन संरक्षण का आवेदन दायर कर चुकी है। जे क्रू, नीमैन मार्कस, जे सी पेनी समेत अमेरिका की कई राष्ट्रीय खुदरा कंपनियां भी महामारी की चपेट में दिवालिया हो चुकी हैं। महामारी के कारण लोगों का खर्च कम हो गया है।

लोग ऑनलाइन खरीदारी को तरजीह देने लगे हैं, जिसके कारण वालमार्ट, टारगेट और अमेजन जैसी ऑनलाइन खुदरा कंपनियों को तो फायदा हुआ है लेकिन ऑफलाइन स्टोर चलाने वाली कंपनियां बर्बाद हो गई। अमेरिका के कुछ हिस्सों में स्टोर खुलने लगे हैं, लेकिन लाखों लोग अभी भी घरों में बंद हैं। अमेरिका के कुछ हिस्सों में संक्रमण की लहर तेज हो गई है, जिसके कारण एपल जैसी कंपनियां उन इलाकों में अपने स्टोर फिर से बंद करने लग गई हैं। कंपनी का एक पुराना व समृद्ध इतिहास है। अमेरिका के कम से कम 40 राष्ट्रपतियों ने इसके कपड़े पहने हैं। अब्राहम लिंकन की 1865 में जब हत्या हुई थी, उस समय उन्होंने ब्रूक्स ब्रदर्स का ही कोट पहना हुआ था। ब्रूक्स ब्रदर्स के दो बटन वाले सूट राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के पसंदीदा थे। इसका सांस्कृतिक प्रभाव भी व्यापक रहा है।

क्लार्क गेबल ब्रूक्स ब्रदर्स के कपड़े पहनते रहे। जेनिफर एनिस्टन जब जीक्यू पत्रिका के मुख पृष्ठ पर आई थीं, तब उन्होंने सिर्फ लाल, सफेद और नीले रंग की ब्रूक्स ब्रदर्स की टाई पहनी हुई थीं।

कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने चीन जाएंगे डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ

बीजिंग। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दो विशेषज्ञ कोविड-19 वैश्विक महामारी की उत्पत्ति का पता लगाने के एक बड़े अभियान के तहत जमीनी काम पूरा करने के लिए अगले दो दिन चीन की

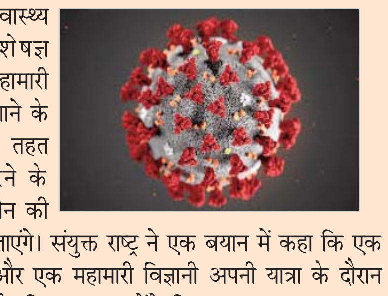

राजधानी बीजिंग में बिताएंगे। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि एक पशु स्वास्थ्य विशेषज्ञ और एक महामारी विज्ञानी अपनी यात्रा के दौरान भविष्य के अभियान के लिए काम करेंगे जिसका मकसद यह पता लगाना है कि यह विषाणु पशुओं से मनुष्यों तक कैसे फैला। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह विषाणु चमगादड़ों से पैदा हुआ और फिर कस्तूरी बिलाव या पैंगोलिन जैसे अन्य स्तनधारी प्राणियों में फैला और इसके बाद पिछले साल के अंत में चीनी शहर वुहान के खाद्य बाजार में लोगों तक फैला। भविष्य में महामारियों को फैलने से रोकने के लिए चीन ने वन्यजीवों के व्यापार पर कार्रवाई की और कुछ पशु बाजार बंद कर दिए। डब्ल्यूएचओ का अभियान राजनीतिक रूप से संवेदनशील है क्योंकि उसे सबसे अधिक वित्त पोषण देने वाले अमेरिका ने इस महामारी से निपटने में नाकामी और चीन के प्रति पूर्वग्रह का आरोप लगाकर उसकी निधि में कटौती करने की धमकी दी है। मई में विश्व स्वास्थ्य महासभा में 120 से अधिक देशों ने विषाणु की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए जांच की मांग की थी। चीन ने जोर दिया था कि डब्ल्यूएचओ जांच का नेतृत्व करे और इसके लिए महामारी के नियंत्रण में आने तक का इंतजार करे।

संक्षिप्त समाचार

उइगुरों पर अत्याचार, अमेरिका ने चीन के तीन अधिकारियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने बृहस्पतिवार को चीन के तीन अधिकारियों पर मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में उइगुर मुसलमानों, कजाक तथा अन्य जातीय अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने को लेकर प्रतिबंध लगा दिया। चीन की सत्तारूढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी से जुड़े इन अधिकारियों में चेन कुआंगू, झु हाइलुन और वांग मिंगशान शामिल हैं। प्रतिबंध लगने के बाद ये अधिकारी ओर इनके परिवार के सदस्य अब अमेरिका में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि चीन के शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर अमेरिका आज कार्रवाई कर रहा है।

तस्करी करने पर भारतीय व्यवसायी को तीन साल की सजा

वाशिंगटन। नागपुर के एक भारतीय व्यवसायी को ड्रग की तस्करी और धन शोधन के मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसे चेक गणराज्य से प्रत्यर्पित करके यहां लाया गया था। एक अमेरिकी अटॉर्नी ने यह जानकारी दी। कैलिफोर्निया के पिट्जबर्ग में संघीय जिला अदालत ने सात जुलाई को नागपुर के 37 वर्षीय कारोबारी जीतेंद्र हरीश बेलानी उर्फ जीतू को सजा सुनाई। जेल की सजा काटने के बाद वह तीन साल तक निगरानी में रहेगा। उसे तीन जून 2019 को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया था, उसके बाद करीब 13 महीने से वह हिरासत में है। संघीय हिरासत से रिहा होने के बाद उसे भारत भेज दिया जाएगा। अटॉर्नी स्कॉट डब्ल्यू ब्राडी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे 1,00,000 का जुर्माना भी भरना होगा। चेक गणराज्य में गिरफ्तारी के बाद उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। नौ दिसंबर 2019 को याचिका पर सुनवाई के दौरान बेलानी ने स्वीकार किया था कि वह भारत में मौजूद लीएचपीएल वेंचर्स नाम से एक दवा वितरण कंपनी चलाता है। उसने स्वीकार किया कि 2015 से 2019 के बीच उसने अपने सह-साजिशकर्ताओं के साथ मिलकर अमेरिका में ऐसी कई दवाओं का निर्यात किया जो केवल चिकित्सक के पर्चे के आधार पर ही दी जाती हैं।

थाईलैंड में समलैंगिक प्रेम संबंधों को मंजूरी देने वाला विधेयक पारित

बैंकॉक। थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने उन दो विधेयकों के मसौदों को मंजूरी दे दी है जिनसे समलैंगिक प्रेम संबंधों को कानूनी मान्यता दी जा सकेगी। सरकार की उप प्रवक्ता रत्चदा थानदिरेक ने बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि सिविल पार्टनरशिप एक्ट और सिविल एंड कर्मशियल कोड में संशोधनों को मंजूरी के लिए जल्द ही संसद के पास भेजा जाएगा। सिविल पार्टनरशिप एक्ट से समलैंगिक जोड़ों को अपनी शादी पंजीकृत कराने की मंजूरी मिल जाएगी अगर वे दोनों कम से कम 17 वर्ष के हैं और उनमें से कोई एक थाइलैंड का नागरिक है। हालांकि उनके प्रेम संबंधों को विवाह के तौर पर परिभाषित नहीं किया गया है लेकिन इससे कई कानूनी अधिकार मिल जाएंगे जो विपरीत लिंग के दंपत्तियों को दिए जाते हैं जैसे कि बच्चे को गोद लेने का अधिकार। इस विधेयक को तैयार करने में मदद करने वाले रेनबो स्काई ऑफ थाईलैंड के अध्यक्ष कित्तिनन धरमाधज ने कहा कि बुधवार को जिस मसौदे को मंजूरी दी गई वो पहले के विधेयकों में संशोधन है लेकिन एलजीबीटीक्यू समुदाय के कुछ सदस्यों का मानना है कि इसमें पर्याप्त रूप से समान अधिकार सुनिश्चित नहीं किए गए हैं।

सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर अमेरिका के फैसले को पलटने का अनुरोध किया

वाशिंगटन। अमेरिका में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के 30 सीनेटरों और 136 कांग्रेस सदस्यों के एक समूह ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से उस आदेश वापस लेने का अनुरोध किया है, जिसके तहत अगले अकादमिक वर्ष के लिए कॉलेज या विश्वविद्यालय परिसर में जाकर कक्षा नहीं करने वाले विदेशी छात्रों को देश में रहने पर रोक लगाई गई है। होमलैंड सुरक्षा विभाग के कार्यकारी मंत्री चाड वोल्फ और आव्रजन एवं सीमाशुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के कार्यकारी मंत्री मैथ्यू अल्बेंस को बृहस्पतिवार को लिखे पत्रों में सांसदों ने स्टूडेंट एक्सचेंज एंड विजिटर प्रोग्राम (एसईवीपी) में आईसीई के हाल में घोषित संशोधनों पर चिंता जताई है। आईसीई ने अपने छह जुलाई के आदेश में घोषणा की कि एफ-1 और एम-1 वीजा वाले जो छात्र पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं या केवल ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं तो उन्हें अमेरिका में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तो उन्हें अमेरिका में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीनेटरों ने कहा, ''अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे और पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे अंतराष्ट्रीय छात्रों को उनके देश भेजने की आईसीई की घोषणा क्रूर और अविवेकपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''ये छात्र पहले से ही अमेरिका में हैं और शैक्षिक समुदायों के स्थापित सदस्य हैं। वे वीजा जांच प्रक्रिया से होकर गुजरे हैं जिससे कि अमेरिका को कोई खतरा नहीं है।'' अकादमिक वर्ष 2018-2019 में अमेरिका में दस लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र थे।

कोरोना से जूझ रहे ब्रिटेन में ड्रैगन की साजिश, शुरू किया नया खेल

इंटरनेशनल डेस्क।

हांगकांग में विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही किरकिरी के बाद अब चीन ने ब्रिटेन को राजनीतिक तौर पर अस्थिर करने की साजिश रचनी शुरू कर दी है। हांगकांग में चीन द्वारा लागू किए गए कानून का ब्रिटेन ने खुल कर विरोध किया था और इसके बाद ही यू.के. के पी.एम. बोरिस जॉन्सन ने यू.के. 5 जी प्रोजैक्ट से चीन की कम्पनी हुवावई को बाहर निकालने का खाका तैयार किया है। हालांकि ब्रिटेन ने हुवावई को यू.के. से बाहर निकालने के पीछे सुरक्षा संबंधी मुद्दों का हवाला दिया है लेकिन माना जा रहा है कि यू.के. हांगकांग में लागू किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून से खासा नाराज है इसलिए वह चीन के खिलाफ कदम उठा रहा है। ब्रिटेन में 2010 के बाद कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार है और इसी पार्टी के नेता डेविड कैमरून के प्रधानमंत्री रहते 2015 में बकिंघम शायर के एक पब में तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरून और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं और उस तस्वीर को ब्रिटेन और यू.के. संबंधों को स्वर्णिम पल बताया गया था और इसी पार्टी के सत्ता में रहते यूरोप में सबसे ज्यादा चीनी निवेश यू.के. में ही हुआ। यहां तक कि जब 2019 में जर्मनी और फ्रांस में चीनी निवेश में भारी गिरावट आई तो भी इस रीजन में यू.के. ही चीनी निवेशकों की पसंदीदा जगह बना रहा। 2017 में चीन का इन यूरोपीय देशों में निवेश 71 फीसदी था जो 2019 में कम हो कर 35 फीसदी रह गया। लेकिन पिछले 5 साल में काफी कुछ बदल गया है और यू.के. में लोग पूरी दुनिया में कोरोना महामारी के लिए चीन को जिम्मेदार मान रहे हैं। इस बीच हांगकांग में लागू किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के चलते चीन की छवि और ज्यादा धूमिल हुई है और आम धारणा चीन विरोधी बनने लगी है। कोरोना संकट के कारण यू.के. की इकोनॉमी को बड़ा झटका लगा है और माना जा रहा है कि इस साल चीन की आर्थिकता में 8 फीसदी की गिरावट आएगी और 2023 तक इसमें रिकवरी की संभावना नहीं है। इस बीच यू.के. ब्रैग्जिट के कारण भी आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है लिहाजा चीन ने यू.के. की इसी कमजोरी को आधार बना कर कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ सांसदों को अपने पाले में करने का खेल शुरू कर दिया है। दरअसल ब्रिटेन के कुछ सांसदों के इलाकों में चीनी कंपनियों द्वारा बड़े-बड़े प्रोजैक्ट लगाए गए हैं इनमें से परमाणु बिजली घर के प्रोजैक्ट्स भी शामिल हैं, इन प्रोजैक्ट्स में लोगों को रोजगार मिला है लिहाजा इन इलाकों के सांसद अपने-अपने हलकों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए चीन का विरोध नहीं कर रहे। यू.के. में आल पार्टी पार्लियामेंट्री चाइना ग्रुप के चेयरमैन रिचर्ड ग्राहम का मानना है कि पिछले कई वर्षों तक हम यूरोपियन यूनियन को बलि के बकरे की तरह ट्रीट कर रहे थे लेकिन अब ब्रिटेन में हर कोई चीन को बलि का बकरा बनाने में खुशी महसूस कर रहा है लेकिन चीन इस समय इतना अहम नहीं है बल्कि हमारे लिए इस समय सबसे अहम हमारे हलके के लोग हैं। नौकरियां इस समय बहुत अहमियत रखती हैं और इसके लिए हमें चीन के साथ अच्छे रिश्ते रखने ही चाहिएं। चीन और यू.के. के मध्य बढ़ रहे इस तनाव के पीछे अमरीका के साथ यू.के. के पारम्परिक रिश्ते भी हैं। यू.के. मिनिस्ट्रियल ग्रुप के आकलन के मुताबिक दोनों देशों का फ्री ट्रेड 19 बिलियन डालर तक पहुंच सकता है। इसलिए यू.के. जाहिर तौर पर अमरीका को कारोबार के मामले में प्राथमिकता देगा और यदि अमरीका चीन को लेकर आर्थिक पाबंदियों का ऐलान करता है ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहले ही लग गई थी दुबे के एनकाउंटर की भनक, चंद घंटे पहले ही दायर हुई थी याचिका

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कुख्यात अपराधी विकास दुबे के शुक्रवार को कानुपर के पास पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे जाने से कुछ घंटे पहले उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस को उसकी जान की हिफाजत करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। साथ ही यह सुनिश्चित करने की भी मांग की गई थी कि वह पुलिस के हाथों न मारा जाए। याचिका में यह मांग भी की गई थी कि पिछले सप्ताह आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में कथित तौर पर दुबे के साथ शामिल रहे पांच सह-आरोपियों की मुठभेड़ में मारे जाने के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज की जाए और शीर्ष अदालत की निगरानी में सीबीआई से जांच कराई जाए। कानपुर के चौबेपुर इलाके के बिकरू गांव में तीन जुलाई को देर रात में बदमाशों पर दबिश देने गए पुलिस दल पर अपराधियों ने हमला कर दिया था जिसमें पुलिस उपाधीक्षक देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिसकर्मी मारे गए थे। पुलिस के मुताबिक दुबे शुक्रवार सुबह उस समय मुठभेड़ में मारा गया जब उज्जैन से उसे लेकर कानपुर आ रही पुलिस की एक गाड़ी भऊती इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसने मौके से भाग जाने की कोशिश की। कानपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल ने बताया कि दुर्घटना में नवाबगंज थाने के एक निरीक्षक समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। दुबे को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दुबे कानपुर कांड का मुख्य आरोपी था। दुबे से पहले उसके पांच कथित सहयोगी पुलिस के साथ अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गए। वकील घनश्याम उपाध्याय की ओर से शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि पुलिस द्वारा इन पांच सह-आरोपियों की मुठभेड़ में हत्या न केवल अत्यंत गैरकानूनी और अमानवीय है, बल्कि अदालत की अंतरात्मा को भी झकझोरने वाली है और यह देश का तालिबानीकरण है जिसको बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उपाध्याय ने फोन पर बताया कि मैंने देर रात दो बजे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से याचिका दाखिल की थी। याचिका में दुबे के घर, वाहनों और अन्य संपत्तियों को ढहाने और तोड़ने के संबंध में भी प्राथमिकी दर्ज करने का उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस को निर्देश देने की मांग की गई थी।

ठंडी खुई कवारंटीन सेंटर में प्रवासी श्रमिकों का हंगामा, जमकर तोड़ी कुर्सियाँ-बेंच

साम्बा(एजेंसी) ।

विजयपुर के ठंडी खुई इलाके में स्थित राधास्वामी आश्रम में कवारंटीन किए गए लोगों ने आज जमकर हंगामा किया और सेंटर में टेस्ट किए जाने की धीमी गति और खाने की गुणवत्ता पर रोष जताते हुए जमकर तोड़-फोड़ की। इनमें अधिकांश बाहरी राज्यों से लौटे प्रवासी श्रमिक हैं जो धान की रोपाई के लिए आए हैं। दरअसल इस सेंटर में बाहर से आने वाले लोगों को रखने के साथ ही उनके सेंपल भी लिए जाते हैं। इन लोगों का आरोप था कि टेंसि्टग के नाम पर धांधली चल रही है और सिफारिश के आधार पर लोगों के सेंपल लिए जाते हैं। कई मजदूरों का कहना था कि वह एक सप्ताह से भी अधिक समय से यहां रूके हुए हैं लेकिन उनके सेंपल तक नहीं लिए जा रहे हैं। इसके अलावा इन लोगों ने इस सेंटर में मिल रहे भोजन की गुणवत्ता और टाईमटेबल पर भी कड़ा असंतोष जताया। इन लोगों का कहना था कि इन्हें यहाँ एक तो एकदम बेकार खाना दिया जा रहा है और दूसरे भोजन देने का कोई टाईमटेबल नहीं है। पिछले कई दिनों से परेशान इन लोगों के सब्र का बांध आज टूट गया और इन लोगों ने हंगामा कर दिया। पुलिस व अन्य सुरक्षा कर्मियों ने जब इन्हें रोकने का प्रयास किया तो यह लोग बेकाबू होगए और नारेबाजी करते हुए कुर्सियाँ-टेबल और बेंच आदि तोडने़ लगे। सुरक्षा कर्मियों ने इस दौरान हल्का बलप्रयोग भी किया। बाद में डिप्टी कमिश्नर व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे व लोगों को समझा-बुझा कर शांत किया।

वहीं इस सेंटर के प्रभारी तहसीलदार कैसर मलिक ने बताया कि इस सेंटर में प्रतिदिन 200-250 लोगों की टेंस्टिंग की सुविधा है जबकि बीते कुछ दिनों से बाहरी श्रमिकों की आमद में भारी इजाफा हुआ है ऐसे में सभी लोगों का टेस्ट करना संभव नहीं है इसमें देरी हो रही है जिससे आज लोग गुस्सा गए और हंगामा करने लगे।

सुरक्षा में लापरवाही बनी है शेख वसीम की हत्या का कारण, सात पुलिसकर्मी गिरफ्तार

श्रीनगर । उत्तर कश्मीर के बांदीपुरा में बुधवार रात को आतंकवादियों ने एक भाजपा नेता, उनके पिता और भाई की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर प्राधिकारियों ने नेता की सुरक्षा में कथित लापरवाही के मामले में सात पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने बताया कि आतंकवादियों ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वसीम अहमद बारी की दुकान के बाहर रात करीब नौ बजे उन्हें गोली मार दी जिसमें उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में बारी के अलावा उनके भाई उमर और पिता बशीर अहमद की भी मौत हो गई। इस घटना में बारी के अलावा उनके भाई उमर और पिता बशीर अहमद की भी मौत हो गई। इस घटना में बारी के अलावा उनके भाई उमर और पिता बशीर अहमद की भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आतंकियों ने साइलेंसर लगी रिवॉल्वर से गोली मारी। उन्होंने बताया कि जिस जगह इस वारदात को अंजाम दिया गया वो जगह मुख्य थाने से महज 10 मीटर दूर है। उन्होंने बताया कि बारी की सुरक्षा में कथित लापरवाही के मामले में सात पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और बांदीपुरा के पूर्व विधायक उस्मान मजीद ने इस घटना पर खेद व्यक्त किया। भाजपा नेता सुरिंदर अम्बरदार ने इस घटना की कड़ी निंदा की। कांग्रेस और पीडीपी ने भी घटना की कड़ी आलोचना की है।

कोरोना का अबतक का बड़ा रिकॉर्ड, एक दिन में 26,506 केस...21 हजार से ज्यादा की मौत

नेशनल डेस्क। देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के पिछले 24 घंटों में 26,506 मामले सामने आए हैं जो अब तक एक दिन में सर्वाधिक हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 26,506 नये मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 7,93,802 हो गई है। इससे एक दिन पहले सबसे ज्यादा 24,879 मामले सामने आए थे। संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है तथा इस दौरान 19,135 रोगी स्वस्थ हुए हैं, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 4,95,513 लोग वायरस को मात देकर ठीक हो चुके हैं। देश में अभी कोरोना के 2,76,685 एक्टिव केस हैं। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 475 लोगों की मौत हुई जिससे मृतकों की संख्या 21,604 हो गई है। यहां पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 6,875 मामले दर्ज किए गए जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 2,30,599 पर पहुंच गया है तथा 219 लोगों की मौत हुई है ।

कोविड-19 के मरीजों के नामों का खुलासा क्यों किया जाए: बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई(एजेंसी)।

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पूछा कि कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के नाम का खुलासा क्यों किया जाना चाहिए और कहा कि यह मुद्दा ऐसे मरीजों की निजता के अधिकार से जुड़ा है। न्यायमूर्ति ए ए सैयद और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ ने दो लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के नामों का खुलासा करने का आग्रह किया गया, ताकि उनके संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जा सके और दूसरों को संक्रमित होने से बचाया जा सके। कानून की छात्रा वैष्णवी घोलवे और सोलापुर के एक किसान महेश गाडेकर ने यह जनहित याचिका दायर की है। जनहित याचिका में कहा गया है कि जब जीवन के मौलिक अधिकार और स्वस्थ जीवन जीने के अधिकार का निजता के मौलिक अधिकार से टकराव होता है तो अदालत को यह देखने की जरूरत है कि इनमें से किन अधिकारों से जनता के हितों पर असर पड़ेगा। पीठ ने कहा, कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति की पहचान का खुलासा करने में किस हद तक जाया जा सकता है? निजता का अधिकार इसमें जुड़ा है। अधिकारी किसी के संक्रमित पाए जाने पर किसी विशेष स्थान या इमारत को निषिद्ध क्षेत्र के तौर पर घोषित करते हैं, ताकि लोगों को इसके बारे में पता चल सके। अदालत ने कहा, च्क्या यह पर्याप्त नहीं है? आप क्यों जानना चाहते हैं कि कौन-सा व्यक्ति संक्रमित पाया गया है? उच्च न्यायालय ने इस याचिका पर महाराष्ट्र सरकार से भी जवाब मांगा। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए वकील आदित्य ठक्कर ने पेश हुए वकील आदित्य ठक्कर ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड-19 मरीजों के नाम घोषित नहीं किए जा सकते क्योंकि ऐसा करने से उनके प्रति लोग अनुचित सोच रख सकते हैं।

विकास दुबे एनकाउंटर पर राहुल गांधी का तंज, कई जवाबों से अच्छी है ख़ामोशी उसकी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कानपुर शूटआउट का मुख्य आरोपी विकास दुबे शुक्रवार सुबह एनकाउंटर में मारा गया। विकास दुबे के एनकाउटर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तंज कसा। राहुल ने शायराना अंदाज ट्वीट किया,'हजारों जवाबों से अच्छी है खामोशी उसकी, न जाने कितने सवालों की आबरू रख ली', हालांकि इस ट्वीट के साथ राहुल गांधी ने विकास दुबे के एनकाउंटर का जिक्र नहीं किया है लेकिन माना जा रहा है कि उनका तंज उसी को लेकर है। दरअसल विकास दुबे के एनकाउंटर पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि विकास दुबे का एनकाउंटर इसलिए कर दिया गया ताकि वो राज उजागर न कर दे क्योंकि उसके सिर पर बड़े-बड़ों का हाथ था। राहुल गांधी ने जो शेर ट्वीट किया, उसका ऑरिजनल है- 'कई जवाबों से अच्छी है ख़ामुशी मेरी, न जाने कितने सवालों की आबरू रक्खे'।

राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और अखिलेश यादव भी विकास के एनकाउंटर पर सवाल उठा चुके हैं। मायावती ने भी कहा कि इस एनकाउंटर की जांच होनी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट को उसकी निगरानी करनी चाहिए।

केजरीवाल सरकार के आदेश, अब दिल्ली से कोई भी करा सकता है कोरोना जांच

नई दिल्ली/डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली में बढ़ते कोरोना प्रसार को रोकने के लिए केजरीवाल सरकार ने अब रैपिड एंटीजन टेस्ट को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद हर कोई अब कोरोना जांच करवा सकता है। अधिक से अधिक कोरोना जांच करवाने के लिए दिल्ली सरकार ने ये फैसला लिया है। आदेश के अनुसार दिल्ली सरकार की डिस्पेंसरी और पॉलीक्लीनिक्स में रैपिड एंटीजन टेस्ट किट के जरिए ये टेस्ट करवाया जा सके। इसका टाइमिंग सुबह 09 से 12 बजे के बीच होगा। दिल्ली में कोई भी शख्स जिसे कोरोना होने का शक हो या डर सता रहा हो अब वो दिल्ली सरकार की डिस्पेंसरी या पॉलीक्लीनिक्स में जाकर अपने शक को दूर कर सकता है। यहां पर रैपिड एंटीजन टेस्ट किट द्वारा उसकी कोरोना जांच की जाएगी। हालांकि जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आती है उसको आरटीपीसीआर टेस्ट भी करवाना होगा। दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो रहे हैं। दिल्ली में कोरोना का रिकवरी रेट बढ़कर 76.81 प्रतिशत हो गया है। यहां पर अब तक 82 हजार 226 लोग कोरोना से जंग जीत चुके हैं। दिल्ली में गुरुवार को 4 हजार से ज्यादा लोग ठीक हुए।

दिल्ली सरकार द्वारा गुरुवार रात को जारी किए गए हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 24 घंटे के अंदर यहां 4027 लोग ठीक हुए हैं।यहां गुरुवार को 24 घंटों में कोरोना के 2187 नए मामले सामने आए हैं और एक दिन में 45 मरीजों की जान गई है। इसके साथ ही राजधानी में संक्रमण के कुल मामले 1,07,051 हो गए हैं।

बोइंग ने पूरी की अपाचे-चिनूक हैलीकॉप्टर की डिलीवरी, भारतीय एयरफोर्स को धन्यवाद

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

बोइंग इंडिया ने भारतीय वायुसेना को अपाचे अटैक और चिनूक हैवीलिफ्ट हेलीकॉप्टरों की तय संख्सया की डिलीवरी कर दी है। डिलीवरी के बाद बोइंग ने इंडियन एयरफोर्स को पार्टनरशिप के लिए धन्यवाद किया है। बोइंग इंडिया कंपनी की तरफ बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी गई। अब भारतीय वायुसेना के पास 22 अपाचे अटैक और 15 चिनुक हेलीकॉप्स्टर हैं। हेलीकॉप्टर की डिलीवरी ऐसे समय में हुई है जब पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लाइन ऑफ एक्सचुअल कंट्रोल पर तनाव चल रहा है। हालांकि चीनी सैनिक गलवान घाटी में झड़प वाली जगह से 2द्मद्व पीछे हट गए हैं। भले ही चीनी सैनिक पीछे हट गए हों लेकिन इसके बावजूद भारत अलर्ट हैं और किसी भी तरह से भी चीन पर भरोसा करने के मूड में नहीं है। सोमवार और मंगलवार को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर्स और फाइटर जेट्स ने रात भर स्नह्र पर गश्त की। हेलीकॉप्स्टर चिनुक जहां लगातार फारवर्ड एयरबेस से रात भर उड़ान भरता रहा तो वहीं अपाचे और फाइटर जेट मिग-29 भी रात भर ऑपरेशंस को अंजाम देते रहे। भारत ने चीन के साथ तनाव के बाद पूर्वी लद्दाख में हेलीकॉप्स्टर अपाचे के बेड़े को तैनात कर दिया था। जून में अपाचे हेलीकॉप्स्टर्स की आखिरी खेप भारत पहुंची थी और इसमें पांच हेलीकॉप्स्टर्स हैं। केंद्र सरकार ने कोरोना के बाद भी अपाचे बनाने वाली कंपनी बोइंग को अनिवार्य क्स्वारंटाइन नियमों से छूट दे दी थी। टीम ने इसके बाद हेलीकॉप्स्टर्स को असेंबल कर भारत भेजा और पठानकोट से हेलीकॉप्स्टर्स फ्लाइट टेस्टिंग के बाद लद्दाख पहुंचे। चार साल पहले भारत ने अमेरिका के साथ 22 अपाचे हेलीकॉप्टर का करार किया था। एएच-64ई अपाचे विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक है, इसे अमेरिका सेना इस्तेमाल करती है। यह बेहद कम ऊंचाई से हवाई और जमीनी हमला करने में सक्षम है। अपाचे हेलिकॉप्टर का डिज़ाइन ऐसा है कि इसे रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है। अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर में 16 एंटी टैंक एजीएम-114 हेलफायर और स्ट्रिंगर मिसाइल लगी होती है। हेलफायर मिसाइल किसी भी आर्मर्ड व्हीकल जैसे टैंक, तोप, बीएमपी वाहनों को पल भर स्ट्रिंगर मिसाइल हवा से आने वाले किसी भी खतरे का सामना करने में सक्षम है। इसके साथ ही इसमें हाइड्रा-70 अनगाइडेड मिसाइल भी लगा होता है ।

रामगढ़ की गुरजीत कौर बनी 'फर्स्ट सेलिंग गर्ल ऑफ जेएंडके'

साम्बा । साम्बा जिले के सीमावर्ती कस्बे रामगढ़ की रहने वाली छात्रा गुरजीत कौर जम्मू-कश्मीर की पहली सेलिंग गर्ल बन गई है। हाल ही में गोआ में संपन्न हुई राष्ट्रीय ओपन नेवी विंड सर्फिंग चैम्पियनशिप-2020 में गुरजीत ने स्वर्ण पदक जीत कर रामगढ़ ही नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर का नाम रोशन किया है। पहली जेएंडके नेवल युनिट एनसीसी की यह 20 वर्षीय कैडेट साम्बा डिग्री कॉलेज की छात्रा है। वर्ष 2019 में चिल्का (ओडिसा) में आयोजित नेवी प्रशिक्षण कैम्प में भाग ले चुकी गुरजीत ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम 6 में स्थान बनाया था जिसके बाद उसे गोआ में आयोजित राष्ट्रीय ओपन नेवी विंड सर्फिंग चैम्पियनशिप-2020 में भाग लेने का मौके मिला। गोआ में गुरजीत ने विंड सर्फिग के लिए बिक नोवा बोट चुनी जो सबसे हैवी बोट है और अब तक सिर्फ लडक़े ही उसे चलाते थे लेकिन गुरजीत पहली लडक़ी बनी जिसने इस बोट को विंड सर्फिंग में न केवल चलाया बल्कि पहली बार ही लगातार 7 घंटे तक चला कर ट्राफी भी जीती। गुरजीत ने बताया कि उसके इस प्रदर्शन से वहां मौजूद नेवी के वरिष्ठ अधिकारी भी खासे प्रभावित हुए और उन्होंने उसे अगले साल विदेश में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय सेलिंग चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए चुन लिया व साथ 'फर्स्ट सेलिंग गर्ल ऑफ जेएंडके' का भी खिताब दिया। गुरजीत का कहना है कि वह अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेलिंग के जरिए देश की सेवा करना चाहती है। गुरजीत के अनुसार इस मुकाम तक पहुंचने में पिता जसबीर सिंह का बहुत अहम योगदान है जो इस समय विदेश में नौकरी कर रहे हैं।वहीं उसका कहना है कि जम्मू-कश्मीर में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है वहीं उसका कहना है कि जम्मू-कश्मीर में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन उचित सुविधाओं व सरकारी सहयोग के अभाव में बच्चों को आगे बढने़ का मौका नहीं मिल पाता है।

संक्षिप्त समाचार

नरोत्तम मिश्रा का कांग्रेस पर तंज, विकास दुबे के एनकाउंटर से लोग मना रहे है मातम

भोपाल। विकास दुबे के एनकाउंटर के बाद मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस पर तंज कसा है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कानून ने अपना काम किया है। अफसोस और मातम की बात उन लोगों के लिए होगी जो लोग कल कह रहे थे कि पकड़ लिया तो जिंदा कैसे पकड़ लिया आज कह रहे हैं कि मर गया तो कैसे मर गया। कई राज दफन हो गए है। मीडिया से चर्चा के दौरान नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस तंज कसते हुए कहा कि विकास दुबे के एनकाउंटर से कांग्रेसी दुखी हैं। वह अफसोस कर रहे होंगे कल कुछ और कह रहे थे, आज कुछ और कह रहे हैं। मध्य प्रदेश की पुलिस ने अपना काम किया। मध्य प्रदेश पुलिस उसको रात में राज्य की सीमा तक सुरक्षित छोड़ आई थी। अपना काम करके उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं उन्होंने दिग्विजय सिंह व अखिलेश यादव के ट्वीट पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सपा से विकास दुबे का सम्बन्ध था, हमारे पास तो वो पोस्टर हैं। दिग्विजयसिंह के पास कोई काम नहीं है इसलिए ट्वीट करते रहते है। किसी आतंकी के लिए कभी उन्होंने ट्वीट किया।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने भाजपा नेता की हत्या की निंदा की

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल जी सी मुर्मू ने बांदीपुरा जिले में भाजपा नेता शेख वसीम बारी और उनके परिवार के दो सदस्यों की हत्या की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि इस कायरतापूर्ण कृत्य के दोषियों को सजा दी जाएगी। बारी, उनके पिता बशीर अहमद और भाई उमर बशीर पर बुधवार रात करीब नौ बजे बांदीपुरा पुलिस थाने के समीप उनकी दुकान के बाहर आतंकवादियों ने गोलियां चलाई। घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। एक अधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि शोक संदेश में उपराज्यपाल ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या का बर्बर कृत्य मानवता के खिलाफ है और इस कायरतापूर्ण हरकत के दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुर्मू ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

दिल का दौरा पड़ने से बीएसएफ के जवान की मौत

पुंछ। सीमा सुरक्षाबल के एक जवान की दिल दौरा पड़ने से मौत हो गई। जवान 183 बटालियन का है। उसकी पहचान उमा शंकर पुत्र शादी राम निवासी गाजीपुर यूपी है। वह पुंछ में डयूटी पर तैनात था। सुबह करीब साढ़े आठ बजे उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल ले जाया गया पर उनकी मौत हो चुकी थी। पुंछ के जिला अस्पताल में उनका पोस्ट मार्टम कर उनके शव को उनके पैतृक गांव भेज दिया गया। वहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जवान की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है और इस बात की पुष्टि हो चुकी है।

कश्मीर में आतंकियों द्वारा की गई हत्याओं के विरोध में प्रदर्शन

कठुआ । कश्मीर में भाजपा नेता और उसके परिजनों की आतंकियों द्वारा की गई हत्या के विरोध में कठुआ में युवाओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपना विरोध दर्ज करवाते हुए सरकार से कश्मीर में दहशतगर्दों का खात्मा करने की अपील की। युवा गौरव गुप्ता ने कहा कि कश्मीर में आए दिन लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिज्ञों को भी निशाना बनाया जा रहा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि कश्मीर में आतंकियों का पूरी तरह से खात्मा करने के लिए कदम उठाए जाएं। सरकार वहां विभिन्न राजनीतिज्ञों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे।

भारत-पाक सीमा के पास मिला क्षत-विक्षत शव

साम्बा । सीमावर्ती रामगढ़ क्षेत्र में बसंतर नाले के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। लगभग 40-50 वर्ष आयु के प्रतीत हो रहे व्यक्ति का क्षतविक्षत हो चुके यह शव भारत-पाक सीमा से सटी बीएसएफ चौकी के बल्लड़ गेट के पास पड़ा पाया गया। माना जा रहा है कि यह शव बारिश के चलते नाले में आए तेज पानी के बहाव में जहां तक पहुंचा। बाद में पुलिस को इसकी जानकारी दी गई जिसके बाद रामगढ़ के पुलिस थाना प्रभारी इंद्रपाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई की। पुलिस थाना प्रभारी इंद्रपाल सिंह ने बताया कि शव को जीएमसी जम्मू के शवगृह में रखवाया गया है और आईपीसी की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नेपाल ने भारतीय मीडिया चैनलों के प्रसारण पर लगाई रोक

काठमांडू। नेपाल में पिछले कुछ समय से राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भारत के खिलाफ चीन के इशारों पर लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि नेपाल सरकार ने नेपाल में भारतीय चैनलों के प्रसारण पर रोक लगा दी है। नेपाली केबल टीवी प्रदाताओं ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि देश में भारतीय समाचार चैनलों के सिग्नल बंद हो गए हैं। हालांकि अब तक कोई सरकारी आदेश नहीं आया है। बता दें कि हाल ही में नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के भीतर पैदा हुए मतभेद समाप्त होते नहीं दिख रहे हैं। बृहस्पतिवार को आई मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच सप्ताह भर में आधा दर्जन से अधिक बैठकें होने के बाद भी कोई आम सहमति नहीं बन सकी है। बुधवार को एनसीपी की 45 सदस्यीय स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार तक के लिए टाल दी गई। यह लगातार चौथा मौका था जब पार्टी की बैठक टाल दी गई थी ।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)